

Daily THE PHOTON NEWS

द फोटोन न्यूज Published From Ranchi

सच के हक में...

विश्व पृथ्वी दिवस आज

SHARE

सेंसेक्स : 79,273.33
निफ्टी : 24,576.60

SARAFI

सोना : 14,385
चांदी : 275.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मध्यप्रदेश में टैंकर ने कार को रौंद, 5 की मौत

BARWANI : मंगलवार को मध्यप्रदेश के बड़वानी में एक तेज रफ्तार टैंकर ने कार को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें सवार युवक अंदर ही फंस गए। हादसे में 3 युवकों की मौके पर मौत हो गई। वहीं दो गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा जुलवानिया टोल प्लाजा के दोपहर करीब 2.30 बजे हुआ। सभी युवक बारात में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में एक वाहन का डीजल खत्म होने पर कुछ युवक दूसरी कार से डीजल लेने गए थे। खरगोन की ओर से आ रहे टैंकर ने टक्कर मार दी।

पाक ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस 24 तक किया बंद

ISLAMABAD : पाकिस्तान ने मंगलवार को भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस 24 मई तक बंद रखने का फैसला किया है। अब ये पाबंदियां एक साल से भी ज्यादा समय तक लागू रहेंगी। पिछले साल 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे के विमानों के लिए अपना-अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। हमले में 26 लोग मारे गए थे। 24 अप्रैल, 2025 से भारतीय विमानों के लिए पाकिस्तान का एयरस्पेस पेंस बंद है, वहीं दूसरी तरफ पिछले साल 30 अप्रैल से पाकिस्तानी विमानों को भारतीय एयरस्पेस इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है।

पीएम के खिलाफ कांग्रेस ने दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

NEW DELHI : मंगलवार को कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। आरोप लगाया कि सदन में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के पारित न होने के बाद उन्होंने शपथ के नाम संबंधित नोटिस पर आक्षेप लगाया, जो सदन के विशेषाधिकार का हनन और अवमानना का गंभीर मामला है।

जमीन विवाद में कारोबारी को अपराधियों ने ताबड़तोड़ मारी गोलियां, मौत

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में अपराधियों का हासला बुलंद है। दिन-दहाड़े वारदात को अंजाम दिया रहा है। मंगलवार की सुबह राजधानी के पंडरा थाना क्षेत्र स्थित रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास के पास वाली गली में अज्ञात अपराधियों ने जमीन कारोबारी भागव सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, जमीन विवाद और ₹20 लाख के लेनदेन में घटना को अंजाम दिया गया। घटना तब हुई, जब बैंक कॉलोनी निवासी भागव सिंह बजरंगबली मंदिर पूजा करने पहुंचा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास के पास वाली गली में दिया घटना को अंजाम

- पहले से घात लगाए थे बदमाश, अचानक शुरू कर दी फायरिंग
- गोली चलते ही इलाके में मची भगदड़, कुछ ही सेकेंड में फरार हो गए अपराधी
- अपना प्रसाद लेकर भागव वापस मुड़ ही रहा था, तभी एक नकाबपोश अपराधी ने पीछे से मार दी गोली



अपराधियों ने उस पर हमला कर दिया। तीन बदमाश मौके पर पहुंचे और अचानक फायरिंग शुरू कर

दी। गोली चलते ही इलाके में भगदड़ मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने

पुलिस ने मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार अन्य की तलाश में चल रही छापेमारी

स्थानीय लोगों ने बताया कि भागव हनुमान मंदिर से पूजा करने के बाद अपना प्रसाद लेकर वापस मुड़ ही रहा था कि तभी नकाबपोश एक अपराधी ने उसे पीछे से गोली मार दी, जिससे भागव सिंह जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद अपराधी मौके से फरार हो गया।

डॉक्टरों के अनुसार, इलाज के दौरान भागव की जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही पंडरा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। भागव की मौत के

बजरंगबली मंदिर पूजा करने पहुंचा था बैंक कॉलोनी निवासी भागव सिंह

बाद परिजनों में आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, भागव सिंह हर मंगलवार मंदिर में पूजा करने जाते थे। पुलिस को आशंका है कि अपराधियों को भी इसकी जानकारी पहले से थी। अपराधियों ने रेकी कर घटना को अंजाम दिया।

लंबे समय से चल रहा था विवाद
भागव जब घायल था तो पुलिस ने उसका बयान दर्ज कराया। भागव सिंह ने बयान दिया कि रातू इलाके में स्थित जमीन मामले में उस पर विजय टेस्ट ने गोली चलावाई है। उसे पहले भी धमकी दी गई थी। रातू इलाके की जमीन को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से तनाव था। इसी विवाद के चलते सुनियोजित तरीके से इस हमले को अंजाम दिया गया।

उन्होंने घायल युवक अस्पताल भेजवाया। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इधर, इस मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड विजय टेस्ट को गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने 62 बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों व 237 महिला पर्यवेक्षिकाओं को दिया नियुक्ति पत्र

राज्य के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुखा विभाग की ओर से आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि लंबे अर्से बाद आज बड़े पैमाने पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं के पद पर नियुक्त होना राज्य के लिए गर्व का क्षण है। महिलाएं आज अपने पैरों पर खड़े होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि समाज और राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुझे विश्वास है कि नव-नियुक्त महिलाएं पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के समग्र विकास में सरकार द्वारा नियमित नियुक्तियों के साथ-साथ अनुबंध सहित कई तरह से अलग-अलग वर्गों में कर्मियों की नियुक्तियां होती हैं, जो सरकार के कार्यों को गति देने का काम करती

झारखंड को स्वस्थ व सशक्त राज्य के रूप में आगे बढ़ाना प्राथमिकता

- मजबूत इच्छाशक्ति हो तो हर बाधा को आसानी से किया जा सकता है पार
- कुपोषण मुक्त प्रदेश बनाने के लिए हर स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी
- दूर-दराज के इलाकों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का सौंपम ने दिया निर्देश



नियुक्ति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य

समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय और कनेक्टिविटी बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जहां समन्वय कमजोर होता है, वहां अनियमितताओं की संभावना बढ़ जाती है। विभाग आगनबाड़ी संचिकाओं, सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं के कार्यों का नियमित मूल्यांकन करे तथा उकठे कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। आम जनता और सरकार के कर्मियों के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय बहुत ही जरूरी है। बेहतर कनेक्टिविटी बनाकर ही ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में हम अधिक से अधिक योजनाओं को आम जनमानस तक पहुंचा पाएंगे।

हैं। आज की नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के इर्द-गिर्द होने वाले विषयों को ध्यान में रखकर की गई है। नव नियुक्त अध्येक्षियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनके उच्चल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में

अभी भी बड़ी संख्या में बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। आज के दिन सभी नियुक्त कर्मों मिलकर कुपोषण जैसी गंभीर समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लें। समाज के भीतर कुपोषण एक श्राप है। राज्य से कुपोषण को

समाप्त करना बहुत जरूरी है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो यह जीवनभर की चुनौती बन सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुपोषण मुक्त झारखंड बनाने में आप सभी नवनियुक्त कर्मियों की जिम्मेदारी

बहुत ही अहम होगी।
झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है, जहां गरीब, पिछड़े और जरूरतमंद लोग रहते हैं। यहां की महिलाओं के अंदर अपनी

अमेरिका-ईरान ने सीजफायर वार्ता में शामिल होने का दिया संकेत

NEW DELHI @ PTI : अमेरिका और ईरान ने संकेत दिया है कि वे इस्लामाबाद में नए दौर की सीजफायर वार्ता में शामिल होंगे। इस्लामाबाद में दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब न तो अमेरिका और न ही ईरान ने सार्वजनिक रूप से वार्ता के समय की पुष्टि की है। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने इस बात से इनकार किया है कि उनके देश

का कोई अधिकारी पहले से ही पाकिस्तान की राजधानी में मौजूद है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के नेतृत्व वाले मध्यस्थों को इस बात की पुष्टि की गई है कि शीर्ष वाताकार, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर कलिबाफ, वार्ता में अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए बुधवार तड़के इस्लामाबाद पहुंचेंगे।

ट्रेजरी घोटाले में वित्त विभाग ने सौंपे दस्तावेज

PHOTON NEWS RANCHI : ट्रेजरी से वेतन मद में फर्जी निकासी के मामले की जांच कर रही अमिताभ कौशल की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में अपनी दूसरी बैठक की। बैठक में वित्त विभाग से सोमवार को मांगे गए सभी दस्तावेज समिति को सौंप दिए गए, जिनका गहन अध्ययन किया जा रहा है। घंटों चली बैठक में समिति ने ट्रेजरी से जुड़ी सभी अहम फाइलों को अपने पास रखते हुए जांच आगे

- प्रारंभिक समीक्षा के बाद तीन अलग-अलग स्तरों पर मांगे गए अतिरिक्त कागजात
 - बोकारो-हजारीबाग के डीसी-एसपी व टीओ से कल से ली जाएगी जानकारी
- बढ़ाई। दस्तावेजों की प्रारंभिक समीक्षा के बाद समिति ने तीन अलग-अलग स्तरों पर अतिरिक्त कागजात और सूचनाओं की मांग की है। वित्त विभाग, महालेखाकार कार्यालय और लेखा नियंत्रक निदेशालय से भी विस्तृत रिपोर्ट

मांगी गई है। समिति ने फिलहाल बोकारो और हजारीबाग जिलों से जांच की शुरुआत करने का निर्णय लिया है। इन दोनों जिलों में ट्रेजरी से वेतन मद में करोड़ों रुपये की संदिग्ध निकासी के प्रारंभिक मामले सामने आए थे, जिसके बाद यह उच्च स्तरीय जांच शुरू की गई। समिति गुरुवार को बोकारो जिले के डीसी, एसपी, कोषागार पदाधिकारी (टीओ) समेत अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करेंगी।

रिटायर्ड जस्टिस एके गुप्ता बने झारखंड के लोकायुक्त राज्यपाल ने दिलाई शपथ



PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जस्टिस अमिताभ कुमार गुप्ता राज्य के लोकायुक्त बन गए। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उन्हें शपथ दिलाई। समारोह दरबार हॉल में आयोजित किया गया, जहां कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण से पूर्व राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने नियुक्ति संबंधी वारंट का वाचन किया। इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव नितिन कुलकर्णी ने न्यायमूर्ति गुप्ता को शपथ के लिए आमंत्रित किया। शपथ ग्रहण के साथ ही अब लोगों को उम्मीद जगी है कि सालों से लंबित मामलों की सुनवाई में तेजी आएगी। लोगों को न्याय मिलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी उपस्थित रहे और

- समारोह में सीएम हेमंत सोरेन भी रहे मौजूद
- लोगों में जगी उम्मीद, सालों से लंबित मामलों की अब तेज होगी सुनवाई

इस संवैधानिक प्रक्रिया के साक्षी बने। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री दोनों ने नव-नियुक्त लोकायुक्त को शुभकामनाएं दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम में मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, राज्यसभा सांसद महुआ माजो, रांची की मेयर रोजनी खलखो, पुलिस महानिदेशक तदशा मिश्रा, अपर मुख्य सचिव मंसिमंडल तथा गृह विभाग वरिष्ठ वाइले सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

चिंताजनक

मौसम को मयावह बना रही वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की अधिक मात्रा

जलवायु परिवर्तन की तेजी ने तपिश के तेवर को कर दिया तीखा

PHOTON NEWS, RESEARCH DESK : पिछले दशकों की मानवीय गतिविधियों ने न केवल प्रदूषण की समस्या को गंभीर बना दिया है, बल्कि मौसम की प्रकृति को भी बदल कर रख दिया है। वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को औसत से अधिक बढ़ा दिया है। मौसम की प्रकृति भयावह होती जा रही है। जलवायु परिवर्तन की तेजी ने तपिश के तेवर को तीखा कर दिया है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, यह पृथ्वी के औसत तापमान और मौसम के स्वरूप में दीर्घकालिक बदलाव के संकेत हैं। साल-दर-साल गर्मी में इजाफा खाभाविक है। 19वीं सदी के प्रारंभ से मुख्य रूप से कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों को अधिक जलाने से यह स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसके परिणामस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग, समुद्र के स्तर में वृद्धि, सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाएं बढ़ रही हैं, जो स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को खतरा में डाल रही हैं।

पृथ्वी के औसत तापमान की अधिकता ने दिए दीर्घकालिक बदलाव के संकेत

समुद्र के स्तर में वृद्धि, सूखे और बाढ़ जैसी चरम घटनाओं में होगा इजाफा

वलाइमेट वेंज की स्थितियों का भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने की वारिचक एनालिसिस

जलवायु के लिहाज से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाना अब सामान्य

इस साल उत्तर भारत में पड़ेगी भीषण गर्मी, नॉर्मल से ज्यादा रहेंगे लू के दिन

चार सप्ताह के लिए पूर्वानुमान
मौसम विभाग के प्रमुख ने बताया है कि हर साल अप्रैल, मई और जून के दौरान उच्च तापमान सामान्य रूप से देखने को मिलता है, हालांकि इसमें साल-दर-साल कुछ भिन्नता होती है। तापमान में वार्षिक और दैनिक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए आईएमडी एक सीजन पहले ही हीटवेव का पूर्वानुमान जारी करता है। इसके साथ ही हर गुरुवार अगले चार सप्ताह के लिए विस्तारित पूर्वानुमान और गर्मियों में हर दिन जिला स्तर पर सात दिन की चेतावनी भी जारी की जाती है।

झारखंड सहित कई राज्यों में गंभीर होगी हीटवेव की स्थिति
बता दें कि आईएमडी ने फरवरी के अंत में मार्च, अप्रैल और मई के लिए पहला हीटवेव आउटलुक जारी किया था, जिसे मार्च के अंत में अप्रैल, मई और जून के लिए अपडेट किया गया है। पूर्वानुमान के अनुसार, अप्रैल से जून में ओडिशा, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ में लू की स्थिति तेज होगी। इसके अलावा, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान के दक्षिणी हिस्से, गुजरात के कुछ भागों में भी हीटवेव की स्थिति गंभीर हो सकती है।

ऊपर जाना सामान्य है। इसलिए हमें ऐसे उच्च तापमान वाले दिनों के लिए तैयार रहना होगा।

इलाकों में हीटवेव (लू) के दिन सामान्य से अधिक देखने को मिल सकते हैं। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा के अनुसार, कुछ क्षेत्र ऐसे हैं, जहां जलवायु के लिहाज से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से

THRISRU : मंगलवार को केरलम के त्रिशूर जिले में दोपहर 3.30 बजे पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। फैक्ट्री में कई लोग झुलस गए। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, मौके से 10 शव मिले, जबकि 3 लोगों के शरीर के हिस्से बरामद हुए। हादसे के समय शेट में करीब 40 लोग मौजूद थे। फायर ब्रिगेड, पुलिस और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन रुक-रुक कर विस्फोट होने से रेस्क्यू में दिक्कत आई।

लातेहार में जंगली भैंसे ने ले ली दो महिलाओं की जान

महुआ चुनने जंगल में गई थीं महिलाएं

AGENCY LATEHAR :

जिले के छिपादीह वन क्षेत्र अंतर्गत मोरवाई जंगल में जंगली भैंसा के हमले से दो महिलाओं की मौत हो गई। मृत महिलाओं की पहचान सिलामानिया देवी (65) और शांति कुँवर (50) के रूप में हुई है। दोनों मोरवाई गांव के रहने वाले थे। मिली जानकारी के अनुसार दोनों महिलाएं कुछ अन्य महिलाओं के साथ सोमवार को ही जंगल में महुआ चुनने गई थीं। इसी बीच अचानक जंगली भैंसा का झुंड उन पर हमला कर दिया। जंगली भैंसा से बचने के लिए महिलाएं इधर-उधर भागने लगीं। इनमें दो महिलाएं जंगली भैंसा की चपेट में आ गईं। भैंसा ने दोनों को पटक पटक कर मार डाला। इधर सोमवार की देर शाम तक जब दोनों महिलाएं वापस घर नहीं लौटी तो परिवार परेशान हो गए और उन्हें ढूँढने के लिए जंगल



घटनास्थल से शव को ले जाते लोग

में गए। पर उनका कोई अता-पता नहीं चला। मंगलवार को पुनः जब ग्रामीण जंगल में गए तो दोनों महिलाओं का शव बरामद हुआ। इसके बाद घटना की जानकारी वन विभाग की टीम को दी गई। सूचना मिलने के बाद फॉरेन्स रजनीश कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की छानबीन आरंभ की। उन्होंने बताया कि

मृत महिलाओं के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। तत्काल मृतक के परिजनों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा के रूप में दी जा रही है, शेष राशि कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद दी जाएगी। उन्होंने आम ग्रामीणों से भी अपील किया कि घने जंगलों में जाने से बचे।

पलामू में ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की हो गई मौत

PALAMU : जिले में सोमवार की रात एक सड़क हादसे में युवक की जान चली गई। छतरपुर-गजना मार्ग पर पथरा खुर्द गांव स्थित पंचायत भवन के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार ओम प्रकाश प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद युवक बाल-बाल बच गया। मृतक की पहचान पाटन थाना क्षेत्र के बंजारी गांव निवासी ओम प्रकाश प्रजापति के रूप में हुई है। घटना के संबंध में युवक के रिश्तेदार सीताराम प्रजापति ने बताया कि ओम प्रकाश अपने साले रिकेश प्रजापति के साथ गजना धाम में एक रिश्तेदार के विवाह समारोह में शामिल होकर सोमवार रात घर लौट रहे थे। इसी दौरान पथरा खुर्द के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ओम प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि रिकेश को मामूली चोट आई। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल



ओम प्रकाश प्रजापति की फाइल फोटो

को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर ले जाया गया, जहां विक्टिमों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही छतरपुर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर देर रात थाना ले आई। मंगलवार सुबह परिजनों का बयान दर्ज करने के बाद मामला क्षेत्राधिकार के अनुसार हुसैनाबाद थाना को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया हुसैनाबाद में पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

वैन से गिरकर रोजगार सेवक की मौत

PHOTON NEWS CHATRA :

चतरा शहर में रोजगार सेवक राजेश कुमार शर्मा का शव सोमवार को देर रात सड़िग्घ हालात में मिला था। इस मामले में अब बड़ा खुलासा हुआ है। पहले इस घटना को हत्या माना जा रहा था, वह दरअसल एक सड़क दुर्घटना निकली। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पूरे मामले की तस्वीर साफ हो गई है। पुलिस के अनुसार, बिंद मोहल्ला निवासी स्वर्गीय मनोहर ठाकुर के पुत्र एवं हंटरगंज प्रखंड के डाहा पंचायत में कार्यरत रोजगार सेवक राजेश कुमार शर्मा शायी समारोह से लौट रहा था। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि वह एक पिकअप वैन पर लटककर आ



राजेश कुमार शर्मा की फाइल फोटो

रहा था। पुराना पेट्रोल पंप स्थित फेमस मेडिकल के पास चलती गाड़ी से उतरने के प्रयास में वह असंतुलित होकर सड़क पर गिर गया था। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट लगी, जो उसकी मौत का कारण बनी। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद राजेश काफ़ी देर तक सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा रहा।

समय पर सहायता नहीं मिलने से उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती गई। फुटेज में यह भी दिख रहा है कि एक बच्चा उसे सड़क से किनारे करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। गौरतलब है कि देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की थी। इसी क्रम में फेमस मेडिकल के पास उसका शव सड़क किनारे मिला था। सिर पर गंभीर चोट के निशान देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। थाना प्रभारी- सह- पुलिस निरीक्षक अवधेश सिंह ने बताया कि जांच में किसी अपराधिक साजिश की पुष्टि नहीं हुई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। पुलिस आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।

BRIEF NEWS

लावालीग से 25 लाख रुपये की अफ्रीम बरामद



CHATRA : लावालीग पुलिस ने नशा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 25 लाख रुपये मूल्य के अवैध अफ्रीम और अन्य मादक पदार्थ बरामद करने में सफलता हासिल की है। यह जानकारी समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में सिमरिया एसडीपीओ नागरगोत्र शुभम भाउसाहब ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि लावालीग थाना क्षेत्र के सलमा गांव के बारादुंगरी टोला निवासी जतन गंडू और बालेश्वर गंडू अपने-अपने घरों में बड़े पैमाने पर अवैध अफ्रीम, डोडा और पोस्ता दाना छिपाकर रखे हुए हैं। सूचना के आधार पर उनके नेतृत्व में लावालीग थाना प्रभारी चंदन कुमार और सशस्त्र बल के जवानों की संयुक्त टीम गठित कर छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो किलो 329 ग्राम अवैध अफ्रीम, 85 किलो 870 ग्राम डोडा और 29 किलो 320 ग्राम पोस्ता दाना जब्त किया। बरामद सामग्री को अनुमानित कीमत लगभग 25 लाख रुपये बताई जा रही है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही दोनों तस्कर मौके से फरार हो गए। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

महिला ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

KHUNTI : खूंटी थाना क्षेत्र के खूंटी टोली में मंगलवार सुबह निशा देवी नामक 35 वर्षीय महिला ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। जानकारी के अनुसार, निशा देवी खूंटी टोली में महादेव महतो के घर में रह रही थीं। वह मूल रूप से सिमडेगा जिले के ठेठई टांगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोनापल गांव की निवासी थीं। घटना की सूचना पुलिस को मंगलवार सुबह करीब आठ बजे मिली। सूचना मिलते ही खूंटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

रेमता डैम में डूबकर युवक की मौत

KHUNTI : मंगलवार को खूंटी जिले के रेमता डैम में नहाने के दौरान एक युवक की डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान विवेक के रूप में हुई। विवेक मुख्यमंत्री के सुरक्षा में नैतान स्पेशल ब्रांच के आरक्षी आमकार नाथ का इक्लौता पुत्र था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, विवेक अपने दोस्तों के साथ रेमता डैम घूमने गया था। इसी दौरान वह पानी में उतरा और अचानक गहराई में चला गया। साथियों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तलाश में जुट गए। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने एनडीआरएफ की टीम को बुलाया। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम ने काफी मेहनत के बाद विवेक की डेड बॉडी को बाहर निकाला। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

युवक को भीड़ ने चोरी के आरोप में हाथ पैर बांधकर पीटा, पुलिस ने बचाया

DUMKA : दुमका के नगर थाना क्षेत्र स्थित डंगालपाड़ा में मंगलवार सुबह भीड़ ने एक युवक को पकड़कर रस्सी से बांध दिया। जारवाडीह निवासी आरोपी युवक की लोगों ने जमकर पीटाई कर दी तथा हाथ-पैर बांधकर गहन पूछताछ शुरू कर दी। बताया जाता है कि पिछले कई दिनों से इलाके की दुकानों में चोरी की वारदात हो रही थी। इससे स्थानीय लोग काफी आक्रोशित थे। इसी बीच ग्रामीणों ने संदिग्ध युवक तैयब अंसारी को टोटी से जाते समय पकड़ लिया। लोगों ने आरोपी से पूछताछ में चोरी की घटनाओं को लेकर कई सवाल किए। इस बीच आरोपी युवक को बांधकर रखे जाने की सूचना पुलिस को मिली। नगर थाना की पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाकर अपनी कस्टडी में ले लिया। इस बीच लोगों ने पुलिस पर अपने गुस्से का इजहार किया। पुलिस ने उन्हें समझाया कि कानून हाथ में नहीं ले, यह अपराध है। पुलिस अपने स्तर से न्यायसंगत कार्रवाई करेगी। इस प्रकार पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों



आरोपी युवक

के अनुसार, आरोपी से पूछताछ की जा रही है और हाल के दिनों में हुई चोरी की घटनाओं में उसकी संलिप्तता की जांच की जा रही है। मामले में जांच जारी है।

ज्वेलरी शॉप में दिनदहाड़े लूट दो लुटेरे पकड़ाए, तीन भागे

RAMGARH : रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरपुर मोड़ के पास मंगलवार को दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में लूट हो गई। शिवशंकर ज्वेलरी दुकान में करीब पांच अपराधियों ने लूटपाट की कोशिश की थी, लेकिन उसी दौरान स्थानीय लोगों और दुकानदार की सतर्कता से घटना टल गई। लोगों ने दो अपराधियों को पकड़ लिया, जबकि तीन आरोपी भारी मात्रा में गहने लेकर भाग गए। गुस्साए लोगों ने दोनों को पीटकर घायल कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घटनास्थल से एक पिस्तौल भी बरामद की गई है। घायल दोनों आरोपियों को पुलिस ने इलाज के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। रामगढ़ सदर अस्पताल के



ज्वेलरी शॉप के सामने लगी गीड़

डॉ. उदय श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस द्वारा लाए गए दोनों घायलों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। उनके सिर पर दो-दो जगह जखम हैं और शरीर पर भी चोट के निशान हैं। हालांकि, दोनों खतरे से बाहर हैं और होश में हैं। दोनों का इलाज जारी है। पुलिस घायलों से पूछताछ कर रही है और फरार हुए तीनों आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

खूंटी में रेल पट्टी से युवक का शव बरामद नहीं हुई पहचान

KHUNTI : झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत कर्रा-गोविंदपुर रेल मार्ग पर मंगलवार को पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया। मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, युवक की मौत संभवतः ट्रेन से कटकर हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर युवक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

लंबित आवासों का काम करें पूरा अन्यथा वापस करें पैसा : बीडीओ

AGENCY KHUNTI :

प्रखंड सभागार तोसपा में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नवीन चंद्र झा की अध्यक्षता में आवास योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्रमशः अबुआ आवास योजना 2023-24 और 2024-25, प्रधानमंत्री आवास योजना 2024-25 एवं 2016-17 से लंबित आवासों के साथ-साथ अवेडकर आवास योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान आवास योजनाओं के विभिन्न मानकों पर प्रगति के आधार पर पंचायतों की रैंकिंग तैयार की गई। जिन पंचायतों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, उन्हें रेड जोन पंचायत के रूप में चिह्नित करते हुए सभी मानकों में तेजी से सुधार लाने का निर्देश दिया गया। बीडीओ नवीन चंद्र झा ने



बैठक करते बीडीओ नवीन चंद्र झा

कहा कि अबुआ आवास योजना के ऐसे लाभुक जिनके बैंक खाते में राशि स्थानांतरित हुए एक वर्ष से अधिक समय बीत गया है और अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, उनसे राशि वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वहीं जिन लाभुकों को प्लिथ कार्य के बाद लिटिल निर्माण के लिए द्वितीय किस्त या लिटिल कार्य के बाद छत ढलाई के लिए तृतीय किस्त जारी की जा चुकी है, उन्हें एक माह के भीतर आवास निर्माण कार्य पूरा

करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि जहां बार-बार निर्देश देने के बावजूद निर्माण कार्य में प्रगति नहीं हो रही है, वहां संबंधित मुखिया और पंचायत सचिव लाभुकों से प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित कर उन्हें कार्य पूरा करने के लिए प्रेरित करें। यदि इसके बाद भी कार्य प्रारंभ नहीं होता है तो पैसे की वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यही प्रक्रिया प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों पर भी लागू होगी।

गड़बड़ी

जिला परिषद के सदस्य विनोद उरांव ने कार्यस्थल की जांच के बाद गुणवत्ता पर उठाए सवाल

आदिवासी समाज की धरोहरों को संरक्षित करने के नाम पर लूट का आरोप

PHOTON NEWS LATEHAR:

लातेहार जिले में आदिवासियों के पारंपरिक पूजा स्थल और धरोहरों को संरक्षित करने के लिए विकास योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जिला परिषद के सदस्य विनोद उरांव ने आरोप लगाया है कि योजनाओं के निर्माण में गुणवत्ता का कोई ख्याल नहीं रखा जा रहा है। विभिन्न पारंपरिक स्थलों और धरोहरों को संरक्षित करने के लिए जो चारदीवारी बनाई जा रही है, उसकी गुणवत्ता देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह से सरकारी या जनता के पैसे की बंदरबांट हो रही है। विनोद उरांव ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर वे कार्य की गुणवत्ता देखने के लिए आरामुंडी पंचायत पहुंचे। यहां आदिवासी समाज के पारंपरिक



चारदीवारी व पीसीसी रोड का जायजा लेते जिला परिषद के सदस्य विनोद उरांव

स्थलों और धरोहरों को सुरक्षित करने के लिए कल्याण विभाग के माध्यम से चारदीवारी और पीसीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। लाखों की लागत से की गई चारदीवारी पर प्रखंड की आरामुंडी पंचायत अंतर्गत पांडुका गांव में मसना स्थल की चारदीवारी बनाई जा रही है।

वहीं, इसी पंचायत के डाटम गांव में मंडप स्थल की चारदीवारी, पीसीसी पथ और मंडप का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन दोनों स्थलों पर निर्माण की गुणवत्ता घटिया स्तर की है। हाथ से टूटा जा रही ईंट : विनोद उरांव ने बताया कि चारदीवारी बनाने में जिस ईंट

का इस्तेमाल किया है, वह बेहद घटिया स्तर की है। जब लोग हाथ में उठाकर ईंट को दबा रहे हैं, तो वह मिट्टी की तरह टूट जा रही है। पीसीसी सड़क निर्माण में जिन्होंने मानक 6 इंच की जगह एक से डेढ़ इंच मोटी परत बनाई जा रही है। योजनाओं का निरीक्षण करने के

मामले में होगी कार्रवाई : अभियंता

इस संबंध में पथ निर्माण विभाग के प्रभारी कार्यपालक अभियंता प्रदीप सिंह ने कहा कि मामले की जानकारी मिली है। इसकी जांच कराई जाएगी। वहीं कनीय अभियंता रोशन कुमार ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। किसी भी सुरत में प्राक्कलन के विपरीत काम नहीं होने दिया जाएगा। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बाद विनोद उरांव ने कहा कि ग्रामीणों ने गुणवत्ता को लेकर जो भी शिकायत उनसे की थी, वह पूरी तरह सत्य है। सड़क में लगाई जा रही घटिया ईंट : विनोद उरांव ने बताया कि बाउंड्री की तरह सड़क निर्माण में भी घटिया ईंट का उपयोग किया जा रहा है। हाथ से दबाने

पर ईंट मिट्टी की तरह भरभरा जा रही है। सरिया या लोहे की छड़ भी घटिया दर्जे का लगाया जा रहा है। उसकी गुणवत्ता भी प्राक्कलन के विपरीत है। पीसीसी सड़क को ईंट से सोलिंग कर ढलाई करना था, लेकिन यहां सोलिंग में भी अत्यंत घटिया क्वालिटी की ईंट लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि वे इसकी शिकायत विभाग के अभियंताओं से करेंगे। इसके बाद भी कार्य में सुधार नहीं हुआ, तो फिर जनता के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा। वहीं झामुमो के प्रखंड संगठन सचिव सुदेश्वर उरांव ने भी कहा कि यह पूरी तरह आदिवासियों के नाम पर लूट है। उन्होंने सभा की निर्माण कार्य में जो कमाफी लगाई जा रही है उसकी गुणवत्ता कहीं से भी प्राक्कलन के अनुसार नहीं है।

फेरे से पहले ही प्रेमी संग भाग गई दुल्हन, बैरंग लौटी भारत

KODERMA : कोडरमा जिले के मरकच्चे प्रखंड अंतर्गत दशरो गांव में सोमवार की रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब शादी की सारी तैयारियों के बीच दुल्हन अपने प्रेमी के साथ भाग गई। इस जानकारी के बाद बारतियों में सनसनी फैल गई और भारत को बिना दुल्हन के ही लौटना पड़ा। बताया जाता है कि कोडरमा जिला के ही डंडाडीह स्थित जयनगर गांव के निवासी राजमणि कुमार की शादी दशरो के बालेश्वर ठाकुर की बेटे पंकी कुमार से होनी थी। सोमवार की रात धूमधाम से बारात गांव पहुंची। स्वागत-सत्कार के बीच विवाह की सभी रस्मों की तैयारी भी लगभग पूरी कर ली गई थी। पूरा माहौल शादी की खुशियों में डूबा था, तभी दुल्हन के गायब होने की खबर फैल गई। इस खबर ने सबको चौंका दिया। परिवार वाले और ग्रामीणों ने दुल्हन की काफी खोजबीन की, जिसके



● बनने से पहले टूट गया रिश्ता, फिल्मी अंदाज में दुल्हन ने सबको चौंकाया

बाद खुलासा हुआ कि दुल्हन अपने पड़ोस में रहने वाले प्रेमी रवि रजक के साथ भाग गई। बताया जाता है कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा था। घटना के बाद वर और वधु पक्ष के बीच जमकर हंगामा हुआ। वर पक्ष ने इसे धोखा करार दिया और नाराजगी जताई, जबकि लड़की पक्ष को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। बाद में ग्रामीणों की पहल पर मामला शांत कराया गया।

BRIEF NEWS

अवैध रूप से मैनहोल में जल निकासी पर होगी कार्रवाई : निगम

RANCHI : रांची नगर निगम ने वार्ड 1 से 5 और 30 से 33 में चल रही सिवरेज एंड ड्रेनेज जॉन 1 योजना को लेकर सार्वजनिक सूचना जारी की है। जिसमें बताया गया है कि योजना के तहत पाइप बिछाने के साथ-साथ मैनहोल और इन्फेक्शन चैंबर का निर्माण किया जा रहा है। निगम ने पाया है कि कुछ लोग बिना अनुमति के अपने घरों की जल निकासी इन मैनहोल और चैंबर में जोड़ रहे हैं। इस वजह से आसपास के क्षेत्रों में गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने लगा है और कहीं-कहीं जल जमाव की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है। ऐसे में यह स्वास्थ्य और जीवनयापन के लिए ठीक नहीं है। नगर निगम की ओर से कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति कनेक्शन न जोड़े। अवैध कनेक्शन पाए जाने पर दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी खातों का डेटा होगा ऑनलाइन, बैंकों को एक माह का समय

RANCHI : राज्य सरकार के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा सरकारी राशि से जुड़े सभी बैंक खातों की जानकारी को ऑनलाइन किया जा रहा है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इसके तहत सभी बैंकों को एक माह के भीतर सरकारी खातों से संबंधित पूरा डेटा निर्धारित मॉड्यूल के माध्यम से अपलोड करने को कहा गया है। इसके लिए विभाग ने एक विशेष ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार किया है, जिसमें लॉगिन कर तय प्रपत्र में खातों की जानकारी भरी जा रही है। इस मॉड्यूल के उपयोग के लिए बैंकों को प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (कोषांग) की ओर से यूजर आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही बैंकों को अपने-अपने स्तर पर नामित प्राधिकारी का नाम, पदनाम, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने को कहा गया है, ताकि डेटा अपलोड की प्रक्रिया समय पर शुरू हो सके।

पीएम जनमन से सड़क पुल निर्माण की योजनाओं पर जल्द होगा काम

RANCHI : आदिम जनजातीय बहुल क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत करने की दिशा में अब प्रक्रिया तेज हो गई है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत राज्य में 139 सड़क और 127 पुल निर्माण को लेकर ग्रामीण कार्य विभाग ने कार्य योजना बनानी शुरू कर दी है। विभाग की ओर से सभी प्रमंडलों को निर्देश दिया गया है कि योजनाओं का चयन कर प्रस्ताव भेजे जाएं। इसके आधार पर आगे की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाएगी, ताकि योजनाओं को जल्द जमीन पर उतारा जा सके। अधिकारियों के मुताबिक, प्रस्ताव मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी और इसके बाद निर्माण एजेंसियों को काम सौंप दिया जाएगा।

फैक्टर इंजेक्शन के लिए सदर हॉस्पिटल में बढ़ी बीमारी से पीड़ितों की संख्या रिम्स में हीमोफीलिया ट्रीटमेंट सेंटर हुआ बंद, मरीज परेशान

VIVEK SHARMA, RANCHI : वैसे तो सरकार राजधानी रांची को मेडिकल हब के रूप में डेवलप करने की बात कर रही है। लेकिन, मरीजों को बेसिक सुविधाएं नहीं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स की बात करें तो यहां भी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हॉस्पिटल में चल रहे हीमोफीलिया ट्रीटमेंट सेंटर को बंद कर दिया गया है। इससे मरीजों को काफी परेशानी हो रही है। इतना ही नहीं फैक्टर व इलाज के लिए उन्हें सदर व अन्य हॉस्पिटलों की दौड़ लगानी पड़ रही है। इससे मरीजों को परेशानी हो रही है, वहीं जेब पर असर पड़ रहा है सो अलग।

सदर पर बंद गया मरीजों का लोड : रिम्स का सेंटर बंद होने से वहां पर इलाज और फैक्टर लगाने के लिए आने वाले मरीज अब सदर हॉस्पिटल में शिफ्ट हो गए हैं। इससे वहां पर मरीजों का लोड अधिक हो गया है। महीने में 300-350 हीमोफीलिया के मरीज फैक्टर व नॉन फैक्टर लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। इससे मरीजों को काफी इंतजार भी करना पड़ता है। वहीं कई बार बिना फैक्टर

नया सेंटर चालू करने को लेकर हीमोफीलिया सोसाइटी ने तेज की तैयारी



फाइल फोटो

नॉन फैक्टर इंजेक्शन से एक महीने तक इंटरनल ब्लीडिंग नहीं
हीमोफीलिया मरीजों को इंटरनल ब्लीडिंग लगातार होती है। ऐसे में ब्लड को कॉल्ट करने के लिए उन्हें फैक्टर लगाया जाता है। ये फैक्टर 2-3 दिनों में लगाना होता है। मरीजों को अब नॉन फैक्टर इंजेक्शन दिया जा रहा है, जिससे बार-बार फैक्टर लगाने की झंझट से छुटकारा मिल गया। यह नई उपचार पद्धति मरीजों के लिए काफी राहत भरी साबित हो रही है। इसमें इमिंसीजुमव इंजेक्शन दिया जा रहा है जो नॉन फैक्टर है। इसकी सबसे खास बात ये है कि हीमोफीलिया मरीज को एक बार लगाने के बाद 30-35 दिनों तक उसे इंटरनल ब्लीडिंग नहीं होती। इससे बार-बार फैक्टर लगाने की झंझट से भी छुटकारा मिला है।

मरीजों के लिए सरकार ने दिए 35 करोड़ रुपये

विश्व हीमोफीलिया दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सोसाइटी के सेक्रेटरी ने यह जानकारी दी थी कि झारखंड सरकार ने बजट की राशि बढ़ाकर 35 करोड़ रुपये कर दिया है। इसके लिए लगातार बैठकों का दौरा चला और प्रयास के फलस्वरूप झारखंड में हीमोफीलिया मरीजों के बेहतर उपचार के लिए भारत और झारखंड सरकार द्वारा फंड की राशि बढ़ाकर 35 करोड़ रुपये कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा, जिससे मरीजों को और बेहतर इलाज उपलब्ध हो सकेगा।

लगाए ही मरीज लौट जा रहे हैं। कुछ मरीजों को रिवार को बुलाया जा रहा है। इससे भी मरीजों को दिक्कत हो रही है। चूंकि डॉक्टर उस दिन उपलब्ध नहीं होते।

हरमू में सेंटर खोलने की तैयारी
हीमोफीलिया सोसाइटी के बैनर तले रिम्स में सेंटर की शुरुआत

करने वाले डॉ. गोविंद जी सहाय ने बताया कि सेंटर के बंद होने से मरीजों की परेशानी बढ़ी है। इसलिए हमलोगों ने हरमू हॉस्पिटल में नया सेंटर खोलने की योजना बनाई है, जहां पर हीमोफीलिया के मरीजों को फैक्टर व नॉन फैक्टर इंजेक्शन आसानी से उपलब्ध कराया जाएगा। चूंकि

महिला आरक्षण बिल पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर लगाया राजनीति करने का आरोप

PHOTON NEWS RANCHI : महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी घमासान के बीच झारखंड की राजधानी रांची में 25 अप्रैल को भाजपा द्वारा प्रस्तावित आक्रोश मार्च की तैयारियां तेज हो गई हैं। पार्टी इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक रणनीति बना रही है। इसी क्रम में रांची में दो अलग-अलग स्थानों पर महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित कर तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, संगठन महामंत्री कर्मवीर



बैठक में शामिल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू व अन्य

कांग्रेस ने किया बीजेपी पर पलटवार
RANCHI : भाजपा पर महिला आरक्षण विधेयक के संशोधन प्रयास को लेकर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि 2023 में संसद में विपक्ष की सहमति से पारित महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने के कारण भाजपा नेताओं को मानसिक आघात पहुंचा है। भाजपा इसे अपने परिसीमन एजेंडे के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल करना चाहती थी, लेकिन विपक्ष की एकजुटता ने इस प्रयास को विफल कर दिया।

सिंह और महानगर अध्यक्ष वरुण साहू सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में

भाग्यदारी सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर महिला आरक्षण बिल को लेकर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में उठाए गए कदम का विपक्ष ने विरोध कर महिलाओं को निराश किया है। उन्होंने दावा किया कि इस मुद्दे पर देशभर में महिलाओं में आक्रोश है जो 25 अप्रैल को सड़कों पर दिखाई देगा।

रांची में ट्रेड लाइसेंस कैंप से व्यापारियों को बड़ी राहत, मौके पर ही समस्याओं का समाधान

PHOTON NEWS RANCHI : फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और रांची नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को चेंबर भवन में ट्रेड लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप के माध्यम से व्यापारियों को नया ट्रेड लाइसेंस बनवाने, पुराने लाइसेंस का नवीनीकरण कराने और होल्डिंग टैक्स जमा करने की सुविधा एक ही स्थान पर प्रदान की गई। कैंप में 25 से अधिक व्यापारियों ने नया ट्रेड लाइसेंस बनवाया और कई व्यापारियों ने अपने लाइसेंस का नवीनीकरण कराया। इसके अलावा, बड़ी



चेंबर भवन में ट्रेड लाइसेंस कैंप में उपस्थित व्यवसायी

होल्डिंग टैक्स का भुगतान कर रसीद प्राप्त की। चेंबर के सिविक एग्जिक्यूटिव उपसमित के अध्यक्ष अमित किशोर ने जानकारी देते हुए बताया कि व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बुधवार को भी श्रद्धांजलि रोड, अपर बाजार स्थित श्रीराम मेडिकल एजेंसी में इस कैंप का आयोजन किया जाएगा।

अमर शहीद पांडेय गणपत राय को शहादत दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के वीर सपूत अमर शहीद पांडेय गणपत राय की 168वें बलिदान दिवस के अवसर पर मंगलवार को रांची में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शहीद पांडेय गणपत राय स्मारक समिति और जिला प्रशासन रांची के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्कूल के पास स्थित शहीद स्थल पर संपन्न हुआ। इस दौरान उपस्थित लोगों ने शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके अदम्य साहस, देशभक्ति एवं बलिदान को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि पांडेय गणपत राय ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में कमांडर-इन-चीफ के रूप में



महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐतिहासिक संघर्ष किया था और झारखंड की धरती पर स्वतंत्रता की चेतना जगाई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। समिति की अध्यक्ष डॉ. वंदना राय ने स्वागत भाषण में कहा कि ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद रखना हम सभी की जिम्मेदारी है और नई पीढ़ी को उनके इतिहास से अवगत कराना जरूरी है।

एशियन चैंपियनशिप के पदक विजेता खिलाड़ियों से मिले उपायुक्त, बोले- राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का लोहा मनुवा रहे झारखंड के खिलाड़ी

PHOTON NEWS RANCHI : एशियन चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों ने मंगलवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भर्जनी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. मधुकांत पाठक के नेतृत्व में खिलाड़ी दिनेश कुमार, रेशमा कुमारी और बसन्ती कुमारी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि झारखंड के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय



खिलाड़ियों के साथ उपायुक्त मंजूनाथ भर्जनी व अन्य

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनुवा रहे हैं। उन्होंने इसे राज्य के लिए गर्व का विषय बताते हुए खिलाड़ियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने

विचार कार्यों की निगरानी के लिए शुरू होगा सीएम डेटा प्लेटफॉर्म

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार जल्द ही इंटीग्रेटेड सीएम डेटा एंटीलेजेंस प्लेटफॉर्म (सीएम डैशबोर्ड 2.0) शुरू करने का रास्ता है। इस पर सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग काम कर रहा है। इसके लॉन्च होने के बाद सरकारी फाइलों और विकास कार्यों की सीधी निगरानी मुख्यमंत्री स्तर से की जा सकेगी। विकास कार्यों की निगरानी डेटा मॉनिटरिंग के जरिए करने की योजना है। फिलहाल भी इस तरह का प्लेटफॉर्म उपयोग में है, लेकिन इसे और बेहतर बनाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इसके जरिए मुख्यमंत्री हर विभाग की

जानकारी त्वरित रूप से हासिल कर सकेंगे। इसके तहत सभी विभागों के परफॉर्मिंग इंडिकेटर तय किए जाएंगे, जिससे यह स्पष्ट होगा कि किन विभागों की योजनाएं तेजी से धरातल पर उतर रही हैं। वहीं, सुस्त विभागों को आवश्यक निर्देश भी दिए जाएंगे। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने के लिए जैप आईटी डिजिटल डेटा प्लेटफॉर्म को भी सक्रिय किया जा रहा है। यह एक सेंट्रल डेटा सिस्टम के तहत काम करेगा, जिससे अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय बेहतर होगा और योजनाओं के दोहराव (डुप्लिकेशन) पर रोक लगेगी।

गर्मी की मार

पिछले 24 घंटों में राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की हुई बारिश

मामूली गिरा पारा, मगर गर्म हवाओं ने बढ़ाई परेशानी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में मौसम पल-पल बदल रहा है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए कई जिलों में मौसम विभाग ने आंधी, बारिश और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को तापमान में मामूली गिरावट आई, मगर गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। राज्य के 5 जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा सरायकेला में 42.4 डिग्री, जमशेदपुर में 42.4 डिग्री,



बोकारो में 42.1 डिग्री, चाईबासा में 42.4 डिग्री और रांची में 38.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। राज्य के पलामू प्रमंडल सहित कई क्षेत्रों में लू का प्रकोप जारी है, जबकि अन्य हिस्सों में भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। हालांकि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश भी रिकॉर्ड की गई। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव में 14.2

तेज धूप से बेहाल रहे लोग

मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह बादल छाए थे। लेकिन कुछ देर बाद ही आसमान साफ हो गया और तेज धूप के कारण लोग गर्मी से बेहाल नजर आए। रांची में अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री और न्यूनतम 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार बढ़ती गर्मी और लू के कारण लोगों को सतर्क रहने और जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है।

जनगणना के सफल संचालन के लिए 410 कर्मियों की होगी नियुक्ति

RANCHI : जनगणना 2027 के सफल संचालन के लिए राज्य में बाढ़ स्रोत से कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। इस संबंध में राज्यस्तर एवं भूमि सुधार विभाग जल्द ही नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ करेगा। मिली जानकारी के अनुसार, राज्यभर में जनगणना कार्य कराने के लिए 410 से अधिक सहायक कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। राज्य स्तर पर छह पदों पर नियुक्ति होगी, जिसमें चार तकनीकी सहायक और दो एमटीएस शामिल होंगे। इसके अलावा सभी 24 जिलों के लिए 72 पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जिनमें तकनीकी सहायक और एमटीएस के पद शामिल हैं। वहीं, चार्ज स्तर यानी ग्रामीण इलाकों में 264 और शहरी क्षेत्रों में 41, कुल 305 तकनीकी सहायकों की नियुक्ति की जाएगी।

दो महीने से नहीं मिला वेतन, नाराज महिला कर्मचारियों का फूटा गुस्सा

कंपनी के गेट के सामने किया प्रदर्शन

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के खेलगांव स्थित ओरिएंट ब्राफ्ट फैशन इंडस्ट्रीज लिमिटेड में पिछले दो महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज महिला कर्मचारियों का गुस्सा फूट पड़ा। मंगलवार को बड़ी संख्या में महिला कर्मियों ने काम करने से इन्कार कर दिया और प्लांट गेट के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। खेलगांव थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को तैनात किया गया। फिलहाल हालात काबू में हैं और शान्तायत पर किसी तरह का असर नहीं पड़ा है। पुलिस ने प्रदर्शनकारी महिला कर्मियों और



कंपनी प्रबंधन के बीच वार्ता कराई। प्रबंधन की ओर से आश्वासन दिया गया है कि अगले सोमवार तक सभी कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। फेब्रुअरी में करीब 2400 कर्मचारी कर्तरीत हैं, जिनमें 85 प्रतिशत महिलाएं हैं। जानकारी के अनुसार आंधी महिला कर्मियों ने वेतन मिलने तक काम पर लौटने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर प्लांट परिसर के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है।

कार ने पिकअप वैन सहित दो बाइकों को मारी टक्कर, 2 की मौत, 11 घायल

झाड़ग्राम से एक ही परिवार के लोग शादी समारोह में कार से जा रहे थे रायरंगपुर

PHOTON NEWS JSR: पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना क्षेत्र में हाता के पास जुड़ी रेलवे फाटक के पास मंगलवार को एक तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार हो गई। झाड़ग्राम (पश्चिम बंगाल) से रायरंगपुर (ओडिशा) जा रही इस कार ने पहले फाटक के बंपर को टक्कर मारी। इसके बाद बेकाबू कार टाटा मैजिक पिकअप वैन से टकरा गई। यही नहीं, कार ने दो बाइकों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में टाटा मैजिक और बाइक सवार कुल 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि, एक व्यक्ति की घटनास्थल और एक की अस्पताल में मौत हो गई। बताते हैं कि झाड़ग्राम से एक ही परिवार के लोग शादी समारोह में शामिल होने कार से रायरंगपुर जा रहे थे। जुड़ी रेलवे फाटक के पास



पलटी कार को सैधा करते लोग

● फोटोन न्यूज

तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई और यह हादसा हो गया। घटना के बाद सभी घायलों को फोन पोटका के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल एक महिला समेत तीन लोगों को बेहतर इलाज के लिए मानगो स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल रेफर कर दिया गया है। तीनों घायलों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। मृतक के परिजनों को हादसे के बारे में सूचित कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

लोगों को बेहतर इलाज के लिए मानगो स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल रेफर कर दिया गया है। तीनों घायलों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। मृतक के परिजनों को हादसे के बारे में सूचित कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

बाइक सवार हमलावरों ने दो को चापड़ मारकर किया घायल

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में चापड़बाजी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार की शाम टेल्को थाना क्षेत्र के धोबी मोड़ के पास एक बार फिर सरेंआम हमला हुआ, जिसमें बाइक सवार दो नाबालिग युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना के दौरान इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए सड़क पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो अलग-अलग बाइक पर सवार किशोरों के बीच अचानक विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते यह विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। एक बाइक पर सवार युवकों ने दूसरे बाइक सवार किशोरों पर

चापड़ से हमला कर दिया। हमले के दौरान घबराकर दूसरी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। बाइक सवार दोनों किशोर जान बचाने के लिए भागने लगे, लेकिन हमलावरों ने उनका पीछा कर कुछ दूरी पर घेर लिया और ताबड़तोड़ वार कर दिए। इस हमले में एक किशोर की पीठ पर गंभीर चोट आई है, जबकि दूसरे के कान के पास गहरी चोट लगी है। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस प्रारंभिक जांच में इसे आपसी विवाद का मामला मान रही है और घायलों से पूछताछ कर रही है। लगातार हो रही चापड़बाजी की घटनाओं ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

गोलमुरी के न्यू केबुल टाउन में कल से श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ

JAMSHEDPUR : गोलमुरी स्थित न्यू केबुल टाउन के सामुदायिक भवन मैदान में 23 अप्रैल से 1 मई तक श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ होगा। मंगलवार को प्रेस वार्ता में परमश्रद्धेय गुरुदेव श्री श्री 108 जय मंगला बाबा ने यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म और सद्कर्म ही जीवन को सार्थक एवं उज्ज्वल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यज्ञ, पूजा-पाठ और धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संसार होता है एवं शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। अब तक 128 यज्ञों का सफल संचालन कर चुके बाबा ने श्रद्धालुओं से इस महायज्ञ में बह-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नि:द्वितीय अनुष्ठान के बाद क्षेत्र में एक अलग ही ऊर्जा और आध्यात्मिक शांति की अनुभूति होगी। आयोजन समिति के मुख्य संयोजक अनिल टाकुर ने बताया कि 23 अप्रैल को भव्य कला यात्रा के साथ महायज्ञ का शुभारंभ होगा। यह यात्रा ओड्ड केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर (बिड़ला मंदिर) से प्रारंभ होकर यज्ञ स्थल तक पहुंचेगी, जिसमें सुलतानाज से लाए गए पवित्र उत्तरवाहिनी गंगाजल से भरे कलश के साथ हजारों श्रद्धालु, विशेषकर महिलाएं शामिल होंगी।

सोनारी में फंदे पर लटका मिला महिला दुकानदार का शव, सुसाइड नोट छोड़ा

PHOTON NEWS JSR: सोनारी थाना क्षेत्र के वी. ब्लॉक स्थित कुम्हारपाड़ा में एक महिला का शव फंदे से लटकता मिला। घटना की जानकारी परिजनों को मंगलवार की सुबह तब हुई, जब लोग महिला के कमरे में पहुंचे। परिजनों ने आनन-फानन महिला को फंदे से उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से सुसाइड नोट मिला है। इस सुसाइड नोट में महिला ने लिखा है कि उसकी मौत का जिम्मेदार कोई और नहीं है। मां न बन पाने का दुख उसे अंदर से तोड़ रहा था। 40 वर्षीय रूपा देवी की शादी 2003 में सोनारी के कुम्हारपाड़ा निवासी अजय वर्मा से हुई थी। रूपा देवी को संतान नहीं थी। इसकी वजह से वह मानसिक तनाव और अवसाद से पीड़ित थी। खुद को व्यस्त रखने के लिए उसने सोनारी बाजार में कपड़ों की दुकान खोली थी। अजय वर्मा ने बताया कि घर में उनके चचेरे भाई की शादी की तैयारी जोर-शोर से चल रही थी। घर में खुशी का माहौल था। रिश्तेदारों का आना-जाना था।



रूपा देवी की फाइल फोटो

हूई थी। रूपा देवी को संतान नहीं थी। इसकी वजह से वह मानसिक तनाव और अवसाद से पीड़ित थी। खुद को व्यस्त रखने के लिए उसने सोनारी बाजार में कपड़ों की दुकान खोली थी। अजय वर्मा ने बताया कि घर में उनके चचेरे भाई की शादी की तैयारी जोर-शोर से चल रही थी। घर में खुशी का माहौल था। रिश्तेदारों का आना-जाना था।

बिष्टपुर में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

बिष्टपुर थाना क्षेत्र में पीएम मॉल के पास मंगलवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। बिष्टपुर के थाना प्रभारी आलोक दुबे ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मौत कैसे हुई, इसका पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद हो सकेगा।

मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़ 7 मोबाइल सहित तीन गिरफ्तार

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम की जिला पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस अधीक्षक अमित रेनू को मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए मुफ्रिसल थाना क्षेत्र से बुलेट सवार तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से चोरी के 7 मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल बुलेट बाइक बरामद हुई हैं। जानकारी के अनुसार, एसपी अमित रेनू को सोमवार को सूचना मिली कि एक बुलेट बाइक पर तीन अपराधी पिछले कुछ दिनों से इलाके में घूम रहे हैं। वे सभी रात में गांवों में सो रहे लोगों के घरों में घुसकर मोबाइल चोरी करते हैं और बाद में कम दामों पर बेच देते हैं। सूचना के सत्यापन के लिए तुरंत छापामारी दल का गठन किया



गिरफ्तार में आदोपी व मागले की जानकारी देते एसडीपीओ बहागन टुटी

करा। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुफ्रिसल थाना क्षेत्र के गितिलिपी मोड़ के पास बुलेट सवार तीन लोगों को घर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अमन निषाद, सुरेंद्र सुंडी और हिमांशु पिंगुवा बताया। अमन निषाद तेज रफ्तार से बुलेट चला रहा था, जिसे देखकर गठित पुलिस टीम को उनकी बातचीत से कुछ आशंका हुई। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर तीनों के पास से 7 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि उन्होंने दो दिन पहले ही झींकपानी थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर और इचापुर गांव में रात के समय घरों में घुसकर मोबाइल चोरी की थी। चाईबासा के एसडीपीओ बहागन टुटी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार अपराधी अमन निषाद का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। वह 25 मार्च को ही जेल से बाहर आया था। हिमांशु पिंगुवा का भी आपराधिक रिकॉर्ड है।

कबड़ी मैदान में हनुमान जी का चित्र लगाने पर जताई आपत्ति

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज के छात्रों ने मंगलवार को प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी से शिकायत की, कि कुछ छात्र कबड़ी मैदान में हनुमानजी का चित्र लगाकर पूजा कर रहे हैं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। छात्रों ने प्राचार्य से कहा कि इससे अन्य छात्रों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस प्रकार के पोस्ट के कारण घाटशिला कॉलेज की छवि भी धूमिल हुई है। ऐसे में उक्त छात्र पर 24 घंटे के अंदर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। इसकी जानकारी होने पर एक छात्र नेता दुलाल हेग्गम ने इसकी शिकायत प्राचार्य से की, जिसके बाद प्राचार्य ने कॉलेज के कमिश्नों से वह चित्र वहां से हटा दिया गया। इसी को लेकर उक्त छात्र नेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल कर दिया। प्राचार्य को आवेदन देने वालों में भावेश कुमार भक्त, सुरज सोनी, विश्वजीत सिंह, विवेक सिंह, शुभम सोनी, विवेक महापात्र, विवेकी बालिकी, प्रकाश कुमार कर्ण, आकाश नारायण देव, अविनाश सरकार, संजय कुमार, मेहवी कुमारी आदि छात्र शामिल थे।

3 मई को होनी थी बेटी की शादी 70 हजार नकद व जेवरात चोरी



चोरी के बाद टूटी अलमारी

● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : बिरसानगर में हरि मंदिर के पास रहने वाले सुरेश गोप के घर में सोमवार की रात चोरी हो गई। कर 70 हजार रुपये नकद व जेवरात ले गए। सुरेश गोप कहना है कि 3 मई को उनकी बेटी की शादी होने वाली है। इसी के लिए उन्होंने रुपये जमा किए थे और जेवरात रखे था। उन्होंने बताया कि घर के अलग-अलग कमरों में परिवार के लोग सोए हुए थे। जिस रूम में अलमारी रखी थी, उसमें मामा का लड़का सो रहा था। बताते हैं कि

चोरों ने स्त्रे छिड़क दिया, इससे किसी की आंख नहीं खुली। अलमारी का ताला तोड़कर चोरों ने अंदर रखी चाबी निकाल ली और फिर लॉकर खोलकर उसमें रखे जेवरात पार कर दिए। जो जेवरात चोरी हुए हैं। घटना की सूचना पर बिरसानगर थाना की पुलिस पहुंची। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस ने मुखबिरों को भी सक्रिय कर दिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरी का खुलासा कर दिया जाएगा।

अनियमितता मामला तूल पकड़ते ही हटा दिया गया शिलापट, मानगो नगर निगम की भूमिका पर सवाल

बालीगुमा में निजी जमीन पर विधायक निधि से करा दी बोरिंग

PHOTON NEWS JSR : मानगो नगर निगम के बालीगुमा स्थित सुकना बस्ती में एक निर्माणधीन अपार्टमेंट में विधायक निधि से बिल्डर की जमीन पर डीप बोरिंग कराए जाने का मामला मंगलवार को सामने आया। जैसे ही द फोटोन न्यूज ने इस अनियमितता का खुलासा किया, थोड़ी ही देर बाद निर्माणधीन अपार्टमेंट पहुंचे कुछ लोगों ने मौके से डीप बोरिंग के शिलान्यास व उद्घाटन वाले शिलापट को गायब कर दिया। सोमवार सुबह तक यह शिलापट मौजूद था। लेकिन जैसे ही इस गड़बड़ी की खबर चली बसे ही शिलापट को गायब कर दिया गया है। शिलापट गायब होने के बावजूद मानगो नगर निगम की



बोरिंग स्थल पर पहले लगाया गया शिलापट व बाद में हटाया गया ● फोटोन न्यूज

भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। बताते हैं कि मामले में मानगो नगर निगम के इंजीनियर फंसते नजर आ रहे हैं। क्याकि कौन सी योजना कहाँ धरातल पर उतारनी है। इसमें इंजीनियरों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। मानगो नगर निगम में योजना का आवेदन आने के बाद इंजीनियर उसकी जांच करते हैं कि यह योजना नियम संगत है या नहीं। नियमांतसार विधायक निधि की इस तरह की योजनाएं आम जनता के लिए होनी

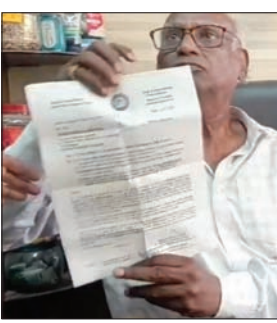
चाहिए। जो योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, वह किसी खास व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए हैं या फिर आम जनता के लिए हैं। विकास सिंह का कहना है कि सरकार विधायक निधि आम जनता के लिए देती है। जबकि, लोग इसमें गड़बड़ी करते हैं। विकास सिंह ने बताया कि क्षेत्र के लोगों ने वाईट पार्षद राजेश सिंह को फोन कर बताया कि घटनास्थल से शिलापट गायब कर दिया गया है। इसके बाद राजेश सिंह वहां पहुंचे, तो देखा कि शिलापट नहीं है। इस घटना में मानगो नगर निगम का पक्ष लेने के लिए उप नगर निगम क्षेत्र में इस तरह की कई और मामले हो सकते हैं। सभी मामलों की जांच कराई जानी

चाहिए। जो योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, वह किसी खास व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए हैं या फिर आम जनता के लिए हैं। विकास सिंह का कहना है कि सरकार विधायक निधि आम जनता के लिए देती है। जबकि, लोग इसमें गड़बड़ी करते हैं। विकास सिंह ने बताया कि क्षेत्र के लोगों ने वाईट पार्षद राजेश सिंह को फोन कर बताया कि घटनास्थल से शिलापट गायब कर दिया गया है। इसके बाद राजेश सिंह वहां पहुंचे, तो देखा कि शिलापट नहीं है। इस घटना में मानगो नगर निगम का पक्ष लेने के लिए उप नगर निगम क्षेत्र में इस तरह की कई और मामले हो सकते हैं। सभी मामलों की जांच कराई जानी

चाहिए। जो योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, वह किसी खास व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए हैं या फिर आम जनता के लिए हैं। विकास सिंह का कहना है कि सरकार विधायक निधि आम जनता के लिए देती है। जबकि, लोग इसमें गड़बड़ी करते हैं। विकास सिंह ने बताया कि क्षेत्र के लोगों ने वाईट पार्षद राजेश सिंह को फोन कर बताया कि घटनास्थल से शिलापट गायब कर दिया गया है। इसके बाद राजेश सिंह वहां पहुंचे, तो देखा कि शिलापट नहीं है। इस घटना में मानगो नगर निगम का पक्ष लेने के लिए उप नगर निगम क्षेत्र में इस तरह की कई और मामले हो सकते हैं। सभी मामलों की जांच कराई जानी

रेलवे ने एक दुकान तोड़ने का दिया नोटिस

JAMSHEDPUR : टाटानगर रेलवे स्टेशन के पास चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के बीच एक अजीब मामला सामने आया है। गुदड़ी मार्केट स्थित श्री लक्ष्मी भंडार नामक दुकान, जिसे मुरारीलाल अग्रवाल पिछले 46 वर्षों से चला रहे हैं, उसे रेलवे ने हटाने का नोटिस दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पूरे बाजार में सिर्फ इसी दुकान को नोटिस दिया गया है, जिससे कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। मुरारीलाल अग्रवाल का कहना है कि उनकी दुकान दशकों से यहां संचालित हो रही है। वे नियमित रूप से जीएसटी सहित सभी टैक्स का भुगतान कर रहे हैं। उनका यह भी दावा है कि मामला फिलहाल हाई कोर्ट में विचारधीन है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से अनुरोध किया कि कम से कम कोर्ट की सुनवाई तक उन्हें समय दिया जाए, ताकि वे न्यायालय का आदेश प्रस्तुत कर



नोटिस दिखाते मुरारीलाल अग्रवाल

सकें। इसके बावजूद रेलवे की ओर से सख्त निर्देश दिया गया है कि 24 घंटे के भीतर दुकान खाली कर दी जाए, अन्यथा उसे तोड़ दिया जाएगा। इस कार्रवाई से मुरारीलाल अग्रवाल और उनका परिवार गहरे संकट में आ गया है। वे हृदय रोग से पीड़ित हैं और यह दुकान ही उनके परिवार की आजीविका का एकमात्र साधन है। इतना ही नहीं, दुकान में काम करने वाले पांच अन्य लोगों के परिवार भी इसी पर निर्भर हैं,

जिससे कई लोगों की रोजी-रोटी पर खतरा मंडरा रहा है। मामले को और गंभीर बनाते हुए मुरारीलाल अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। उनका कहना है कि उन्हें बर्बाद करने की साजिश के तहत ही उनके खिलाफ शिकायतें की गईं, जिसके बाद यह कार्रवाई शुरू हुई। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब गुदड़ी मार्केट में कई दुकानें मौजूद हैं, तो कार्रवाई सिर्फ एक ही दुकान पर क्यों की जा रही है। क्या यह महज संयोग है या इसके पीछे कोई और वजह। रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई पर स्थानीय लोगों में भी असमंजस है और वे निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि क्या मुरारीलाल अग्रवाल को न्यायालय से राहत मिलेगी या उनकी 46 साल पुरानी दुकान इतिहास बनकर रह जाएगी।



बंकर बनाने लैला के जवान

● फोटोन न्यूज

मिल पाने के कारण इस अभियान को फिलहाल स्थगित कर दिया गया। फिलहाल सेना या जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है कि अगला विस्फोट कब किया जाएगा। विभागीय आदेश मिलते ही नई तिथि तय की जाएगी। तब तक सेना की टीम पूरी तरह तैयार थी, लेकिन संबंधित विभाग और उच्चाधिकारियों की ओर से विस्फोट की अंतिम अनुमति नहीं

से धैर्य बनाए रखने और आधिकारिक सूचना के बिना उक्त स्थल के पास नहीं जाने की अपील की है। यहां बता दें कि छह दिन पूर्व यह बम नदी किनारे मिला था। इससे पहले 17 और 21 मार्च को दो बम मिले थे, जिसे डिफ्यूज कर दिया गया था। तीनों बम विशाल और सिलेंडरनुमा हैं। यह बम 227 किलो का है। तीनों बम द्वितीय विश्वयुद्ध का बताया जा रहा है।

समाचार सार

साकची में करणी सेना ने बांटे चना-शरबत



JAMSHEDPUR : करणी सेना ने मंगलवार को साकची गोलचक्कर पर राहगीरों में चना और शरबत का वितरण किया। यह आयोजन करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह की पहली पुण्यतिथि पर किया गया। विनय सिंह की 20 अप्रैल 2025 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड का आज तक जिला पुलिस उद्देहन नहीं कर सकी है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा समाजसेवी हैप्पी सिंह व अमित सिंह विशेष सक्रिय रहे।

जमशेदपुर के भाजपा कार्यकर्ता 25 को जाएंगे रांची



JAMSHEDPUR : महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर जमशेदपुर के भाजपा कार्यकर्ता 25 अप्रैल को रांची जाएंगे, जहां वे आक्रोश मार्च में शामिल होंगे। यह मार्च मोरहाबादी मैदान से मेन रोड तक निकाला जाएगा। मंगलवार को भाजपा, जमशेदपुर महानगर की बैठक जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा की अध्यक्षता में हुई। साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला पदाधिकारी, सभी मोर्चों के अध्यक्ष एवं विभिन्न मंडल अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में आक्रोश मार्च की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई और जमशेदपुर महानगर से अधिकाधिक कार्यकर्ताओं को भागीदारी सुनिश्चित करने की रूपरेखा तय की गई। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि 25 अप्रैल को रांची में प्रस्तावित आक्रोश मार्च में जमशेदपुर महानगर से हजारों कार्यकर्ता रांची कूच करेंगे और महिला सम्मान व उनके अधिकारों की लड़ाई को मजबूती देंगे। इस बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, रामबाबू तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा व सुधांशु ओझा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मिथिलेश सिंह यादव, कल्याणी शरण समेत अन्य मौजूद रहे।

गृहरक्षक परीक्षा का परिणाम अपलोड

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत गृह रक्षक के नव नामांकन के लिए आयोजित शारीरिक दक्षता-सह-लिखित परीक्षा कार्यक्रम के क्रम में संपन्न परीक्षाओं के उपरांत सभी प्रखंडों एवं सभी श्रेणियों (तकनीकी एवं गैर-तकनीकी) के अर्थार्थियों की अंतिम मेधा सूची मंगलवार को जिले की आधिकारिक वेबसाइट seraikela.nic.in पर अपलोड कर दी गई है। अर्थार्थी अपना परिणाम जिला की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।



क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रीह के लिए लोग बाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शॉर्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घवधि में इसका काफी नुकसान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रीह देखते हैं, और उसी अनुरूप डिजीन भी लेते हैं। किन्तु जब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किन्तु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं, अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रीह नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रीह मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पेटिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इन्वॉल्वमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बेर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है। हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किन्तु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए। नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर

मैनेजरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किन्तु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिजीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।



विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलिमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलिमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। इको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलिमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडायनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलिमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलिमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड



प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

स्कॉलरशिप
परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बड़े छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबंधित संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया
प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरिटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरिटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता
मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरिटरीज द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।
आवेदन प्रपत्र
आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क
एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरिटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

पॉलिमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। विदेश उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलीयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लैबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में

भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विडमोलर एंड होल्थर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्टर में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु 150,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिपट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलिमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलिमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

नेशनल टैलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक प्रतिलिपि के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

90 मल्टीचॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हों। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।



विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में है अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द मूलो ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवर्टाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे मल्लि-मांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपिंग और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टर थीम का काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ्लोर पर स्टर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कराते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र को 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर

जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है। करियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टर के अंदर फर्नीचर और फिक्चर की स्थापना, स्टर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण
इस क्षेत्र में करियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। करियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रुझानों का भी पूर्वानुमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं
शॉपिंग मॉल, फाइट स्टोर होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजिंग की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्टिस्टिक फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनीय, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी
इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलेट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बेंगलूर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोल्हा
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा



Bigotry is robbing our students of a future

Another student has taken his own life, leading to a few days of intense TV debates aimed at boosting TRP ratings, before we quickly return to business as usual. A student jumping from a college building is just another statistic added to an ongoing record of administrative indifference. The recent death of Nithin Raj at a dental college in Kannur is the latest example in another caste discrimination tragedy. Whoever called the educational institutions 'a temple of learning' had no idea what a temple was supposed to mean or had extreme hatred towards temples. Our colleges are slaughterhouses where the dreams of marginalised individuals are systematically destroyed by a privileged academic elite. Nithin, a Dalit student who reportedly faced relentless taunts about his skin colour and background, chose to leap from a five-storeyed building rather than endure the daily humiliation he faced in the classroom. Nothing much has changed from the day when Rohith Vemula took his life for the crime of committing the "fatal accident of birth." Our campuses are medieval fiefdoms.

We grant unchecked power to the faculty members, and they think they are divinely ordained. In our country, a 19-year-old is considered mature enough to elect the government of a nuclear-armed nation. However, the moment that same individual enters a college campus, they become inmates of a correctional institute, and the faculty becomes the jail wardens, drunk on power. One of the batons that these modern-day torturers in these cloistered institutions possess is the outdated attendance system. This insistence on compulsory attendance is not about education; it serves as a form of confinement. They are well aware that unless they shepherd the students into forced confinement, no one would waste their time attending their boring lectures. Mediocre instructors are given a captive audience over whom they can act like tyrants. Not many countries treat students as serfs. In Europe and America, higher education treats students as adult consumers. You pay for the credits, and if you choose not to attend a lecture, you accept the consequences on your final exam. There are no jailers disguised as professors counting heads or "marking" attendance. In the 'decadent' West, a student is an adult consumer; here in the land of divine Gurus, he or she is just raw material for a professor's fragile ego. The Thorat Committee report, which investigated discrimination at AIIMS, along with various subsequent commissions, highlights how "continuous evaluation" is often used to address personal grievances and reinforce caste hierarchies. This system is intentionally designed to lack transparency. For example, a teacher's mood during a viva-voce (oral examination) can ultimately determine whether a student from a rural background has the opportunity to become a doctor. Internal assessment is nothing but legalised extortion, a tool for the academic elite to extract servility from those whose surnames or skin tones offend their fragile, casteist sensibilities. I remember my time in a professional college that was anything but professional. Professors took out their personal grievances on the students. Some performances included flinging the record books that a student might have toiled on for many nights into the drainage, tearing off project reports, abusing and insulting the students and their family members for no reason and such things. Coming from a modest background, I was an easy target for professors who mistook their positions for a license to bully. I wore my worn-out chappals like a badge of poverty that my professors used for target practice. My stuttering English was their midday entertainment, a circus for men who would be cooling their heels in a psychiatric ward in any sensible society. While this was how they treated a poor but 'upper caste' student, the fate of those coming from the poor and 'Dalit or tribal' background was worse. Many of us had thick skins and laughed off such antics by our 'teachers' as 'nut cases', but not everyone is blessed with rhinoceros hide.

Balanced tourism or we only go downhill

Approach has to be 'resident first' — this creates interest, employment and enhances the visitor experience

A while back and over a period of several years, one was handling assignments for a state's tourism body. This was the cusp between a time of nascent tourism in that state and today's over-tourism in certain pockets and blanks in others. There were a limited number of hotels and at that time, much of the hospitality industry was state-driven and state-owned. A policy's success or failure was measured, substantially, by budget allocation and the number of tourist arrivals — never mind that the same tourist registered in a hotel in one town and carried on registering in other places; as far as the statistic was concerned, that singular turned into multiples. While that simple scrutiny isn't always applied, today, Aadhaar cards and passports, which are mandatory while checking into a hotel, can easily be filtered by a central system to see who has gone where — and how many times. Recently, while sitting in a sarkari waiting room, one had time enough to wade through some tourism promotional material that was at hand. It did not come as a surprise but was disappointing to see that what one and one's associates had created ages back was still doing the rounds. A few sentences had been altered (was that AI at work?). The quality of pictures, one must admit, was far better. It is accepted that the basics, like history and distances, won't alter, but some things will.

In this sector, where both thinking on one's feet and vulnerability go hand in hand, what are the benchmarks that will separate success from failure — and what lies in that huge grey area between both? Is this to be sustainable by compulsion or sustainable by choice — or should sustainability and its fine sentiments be flung down the closest khud? There is no doubt that domestic tourism provides the bulk of tourism traffic — and all else apart, this is wonderful as I've always felt that this is one of the strongest methods of national integration and seeing what a wonderful country we have. Yet, why do we bury our heads in the sand and get all uppity when it comes to exploring the international market? Let's take a look at what the world around us is doing — despite the wars, the madness and a 'let's sit tight moment'. This year, 45.5 million international visitors are expected to arrive in the United Kingdom. This is driven by strategic government support and innovative global marketing campaigns. What is important here is that the visitors are not going to remain concentrated in, say, just London or Edinburgh, but will travel to areas that lie in the penumbra of the main destinations. Across the world, in numerous places and in several ways, controls are being tightened to check over-tourism and natural and cultural exploitation. The EU has introduced new rules under its Green Directives to tighten how environmental claims



are made and to prevent 'green-washing'. This means that tourism businesses in other continents that are selling into Europe will have back claims of being 'sustainable' by hard evidence.

Spain's recent tourism policy is worth taking a look at. After decades of getting tourists in a limited number of places, this is now shifting to invite travellers in search of authentic experiences. A segment of marketing is focused on interests and not geography. The game plan is long and goes beyond the limited term of a minister or bureaucrat — which, often enough, is the case in India (and elsewhere). Tourism needs to be treated as a matter of governance as much as a marketing issue.

Simply put, the approach has to be 'resident first' — this automatically creates both interest and employment and enhances the visitor experience. The same land has to try and deliver many things — economic growth with a strong local emphasis, restoration of nature that has been damaged (if it hasn't already been destroyed outright), minimising the carbon imprints (which includes control of littering), and guarding both cultural and natural

assets. The scope of a solitary article defined by a word limit isn't enough to do justice to the subject at hand. Especially when it is a substantial driver of employment and a significant contributor to the economy — and is something that is constantly evolving and changing. Everyone travels in different ways and looks for different things. I've still not understood why some young men lose their shirts in more ways than one, the moment they arrive in the hills. They can easily jump and cavort in streams and rivers closer to wherever they come from and take the help of technology to place a snow-covered mountain in the backdrop as they post their reels. They could save themselves some money and the locals and the police a lot of bother. Needless to say, perceptions of travel change with age. The fact that every successful destination and every dish on the table now has to be reel-worthy and Instagram-admirable can make or break a place. This is where the experiential aspect of tourism steps in. A word used often enough is 'fall'. A place can have rainfall, snowfall, 'guest-fall', 'tourist-fall' but hardly ever, a windfall.

Crackdown on doping: Penal provisions can act as a deterrent

India, which will host the 2030 Commonwealth Games and has set its sights on the 2036 Olympics, must go all out to improve its image

THE push to criminalise trafficking and use of banned performance-enhancing substances marks an overdue shift in India's battle against doping. Sports Minister Mansukh Mandaviya has highlighted a harsh truth: doping is no longer an individual lapse but an organised enterprise that exploits ambition, ignorance and weak enforcement. India's anti-doping framework has leaned heavily on testing and imposition of bans on athletes. While these measures have led to a decline in adverse findings, the country continues to top the global dope offenders' list of the World Anti-Doping Agency (WADA). This dubious distinction has exposed the limitations of the current strategy. It's apparent that punishing athletes alone is of little help. The proposal to penalise suppliers, facilitators and complicit support staff aligns with the global perception that the real culprits are often coaches, trainers and shadowy networks that profit from doping. Targeting these wrongdoers could disrupt supply chains and raise the risks associated with the use

of unfair means. Yet, criminalisation is not a silver



bullet. Similar provisions in the 2018 draft anti-doping Bill were ultimately dropped amid concerns about overreach and enforceability. There are legal grey

areas as not all substances banned in sports are illegal for general use. Careless drafting of provisions could lead to harassment or other unintended consequences, particularly for lower-level support staff.

The need to protect athletes, many of whom are victims rather than perpetrators, cannot be overemphasised. Coercion and misinformation often push them toward doping. Any legal framework must clearly distinguish between the exploiter and the exploited. The government's broader strategy — combining legislation with education, intelligence-gathering and international cooperation — is promising. India, which will host the 2030 Commonwealth Games and has set its sights on the 2036 Olympics, must go all out to improve its image on the dope front. A crackdown on doping networks can act as a strong deterrent, but much will depend on making the proposed legislation robust and loophole-free.

A confrontation over women

Each turtle seemed to carry its own ancient memory and an unerring sense of purpose

The sea under a full moon has a way of turning memory into something almost mythical. Yet what we witnessed that December night in 1999 on a remote shore of the Andaman Islands was no myth — it was nature at its most ancient, deliberate, and humbling. The Olive Ridley sea turtle, among the smallest of its kind, embodies one of the ocean's most enduring instincts: the return to sandy shores to begin the next generation. With its olive green, heart-shaped carapace and modest size, it is an unassuming creature. The name 'Ridley', possibly derived from 'riddle', reflects the once-mysterious mass nesting behaviour known as arribada.

Classified as Vulnerable by the International Union for Conservation of Nature, the species symbolises both continuity and fragility. India's conservation commitment began with the Olive Ridley Conservation Project at Gahirmatha Beach in Odisha in 1975, and sustained efforts since have safeguarded nesting habitats, including those in the Andaman and Nicobar Islands. On that particular night, conservation was not a concept we analysed but an experience we lived. Our journey began where the motorable road ended and a waiting truck carried us deeper into the darkening wilderness. The air grew cooler and quieter until we reached a narrow creek. Beyond it lay the protected sands of Cuthbert Bay, part of a wildlife sanctuary long cherished as a refuge for nesting sea turtles. A modest camp awaited us — two gas lanterns flickering in the night, a small tent, and a welcoming dinnertable.



As the tide rose, we boarded small dinghies to cross the creek, the restless sea testing both vessel and resolve. A sudden swell lifted our craft, tightening the night around us, yet the skilled oarsmen steadied it and brought us safely ashore. On the far side, the world seemed transformed: sand shimmered silver beneath the moon, and a sudden chill settled into the air. Anticipating this,

the forest staff had replaced chairs with thick rubber mats inside the tents and provided blankets that soon became welcome companions.

Waiting proved as integral to the experience as the sight itself. To keep sleep at bay, our guide spoke softly of constellations, the Andaman Sea, and nature's quiet cycles, while cups of hot coffee circulated. Close to

midnight, soft, reverential whispers from the forest staff signalled their arrival. We stepped out in silence, careful not to disturb the fragile theatre unfolding before us.

From the dark edge of the sea emerged a living tide — scores of turtles, their movement slow yet purposeful, their shells glistening under the moonlight. It was not the chaotic abundance associated with mass nesting elsewhere, but something more intimate and elemental. Each turtle seemed to carry its own ancient memory and an unerring sense of purpose. What followed was a ritual both precise and profound. With swift, practised movements, the females dug into the sand, laid their eggs, and carefully concealed each nest, entrusting it to the earth. There was no spectacle — only instinct, steady and unbroken. Beneath the smooth stretch of sand, the next chapter had already begun. After an incubation period of about 45 to 60 days, hatchlings would emerge, guided by the faint glow of moonlight reflecting off the sea. Many would not survive, yet enough would endure to sustain the cycle — a quiet testament to nature's balance. The Andaman Islands, with their unspoiled beaches and rich biodiversity, remain a vital refuge for these turtles. Efforts to protect nesting grounds are acts of custodianship, preserving a rhythm that predates human memory and honouring a timeless connection between land, sea, and life itself. That night, however, what stayed with us was not just the ecological significance of the event, but its quiet poetry. The rhythm of the waves, the silvered sand, and the steady crawl of life towards continuity came together in a moment that felt both deeply personal and universally profound.

Online LPG cylinder bookings increased to 99% amid geo-political crisis: Govt

New Delhi, (Agency)

LPG supply continues to be affected by the prevailing geopolitical situation, the government said on Monday, adding that supply of LPG to domestic households has been prioritised, as online LPG cylinder bookings increased to 99 per cent on industry basis. Delivery authentication code (DAC) based deliveries have increased to around 92 per cent to prevent diversion. DAC is received on the registered mobile number of the consumer. Many of the LPG distributorships were operating on Sunday to ensure delivery of domestic LPG cylinders to households," said Petroleum Ministry. Total commercial LPG allocation has also been increased to about 70 per cent of pre-crisis levels, including 10 per cent reform-linked allocation.

Since March 23, 2026, more than 18.45 lakh 5-kg free trade LPG cylinders have been sold.

"A three-member committee of Executive Directors from IOCL, HPCL and BPCL is coordinating with State authorities and industry bodies to plan commercial LPG distribution in the States/UTs. During the last 5 days, on an average more than 7000 MT/day of commercial LPG has been sold," informed the ministry. Auto LPG sales were observed to have shifted from private to PSU OMCs. To meet the rising demand, the sale of auto LPG by the PSU OMCs has been increased. The major increase has been observed in the States like Karnataka, Tamil Nadu, Telangana, Rajasthan and West Bengal, etc. Moreover, since March 2026, more than 4.93 lakh PNG connections have been gasified. Further, more than 5.51 lak customers have been registered for new connections. Till April 19, about 39,200 PNG connections have surrendered their LPG connections via MYPNGD.in website.

Will Suzlon share rise today as firm signs pact with Korean firm GS E&C

New Delhi, (Agency)

The shares of Suzlon Energy are expected to be in focus on Tuesday after India's leading renewable energy solutions provider signed a pact with South Korean company GS E&C to partner on India's renewable energy business and the optimisation of related solutions. Both the companies signed a Memorandum of Understanding (MOU) during the India-Korea Business Forum in the presence of Union Commerce Minister Piyush Goyal and his Korean counterpart, Yeo Han-ko.

Both the companies will mutually work on developing renewable energy projects in India and optimising related solutions. A PFI report mentioned that the total project size would be approximately KRW 80 billion and the specific investment amount to be determined. Around 300 direct and indirect jobs are expected to be created. In March 2026, Suzlon Group sealed a deal with PSU giant, Gas Authority of India Limited (GAIL). The deal is important one for India's leading renewable energy solutions provider, as it bagged its sixth wind energy project of ~100 MW from GAIL. This also marks Suzlon's fourth PSU order of FY26.

Suzlon share price target

Suzlon share price stood at Rs 52.67 at the time of writing this article on 21 April 2026. Suzlon Energy share price has been on the rise over the past one month. Motilal Oswal has initiated a Buy rating on Suzlon stock with a target price of 66. Stock Market expert, Arun Mantri has predicted the Suzlon stock to reach a target price of 55-57 in the near term. JM Financial has backed Suzlon share price to increase and expects it to touch the level of Rs 64.

Bhive ropes in Milind Soman as Brand Ambassador for fitness workspaces

New Delhi, (Agency)

Bengaluru-headquartered flex space provider Bhive on Tuesday announced the appointment of model, Ironman finisher and actor Milind Soman as its brand ambassador, becoming among the first in the segment to onboard a brand face.

The company said the association aligns with its positioning around fitness-led workspaces and integrated campus environments.

"We have always believed a workspace should support how people live, move, and show up every day. When we sat down to think about who could truly represent that vision, there was only one name. Milind Soman is one of the people who put Ironman on the map in India, long before endurance sports went mainstream," said Shesh Rao Paplikar, founder and chief executive officer, Bhive Workspace.

Unlike conventional coworking spaces, Bhive's campus model integrates large-format workspaces with sports infrastructure, recreational facilities and community ecosystems under one roof.

Its campuses include running and endurance clubs, pickleball courts, cricket and football turfs, and large-scale community events such as the Bhive Premier League. Soman said the partnership reflects shared values around fitness and lifestyle integration. "Bhive's commitment to fitness and health is deeply aligned with my own values that extend into every aspect of life. What drew me to Bhive is that they are not just talking about fitness, they are building fitness, discipline, and consistency into the very infrastructure of work," he said.

The move comes as workplaces globally shift towards hybrid models, integrated wellness and experience-led environments, particularly among global capability centres (GCCs) and high-growth enterprises. Bhive said its campus format is positioned to benefit from this demand.

Bhive currently operates more than 28 centres with eight campuses across Bengaluru and Mumbai, covering around 1.8 million square feet of workspace.

Rs 20 electricity bill, nearly Rs 2 lakh lost -- How SBI customer to now get Rs 2.25 lakh as compensation

New Delhi, (Agency)

A State Bank of India (SBI) customer lost Rs 1.99 lakh in a cyber fraud after trying to pay a Rs 20 electricity bill. The National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) has directed the bank to reimburse the money and pay an additional compensation of Rs 25,000, the Indian Express reported.

Fraud triggered by fake electricity bill The case goes back to July 19, 2022, when Bengaluru resident Prodosh Kumar Banerjee received a fake SMS warning of non-payment of an electricity bill. After calling the asked number, he downloaded a mobile app that appeared to be the official electricity department interface, the Indian Express reported. When Banerjee tried to pay Rs 20, he received alerts showing a debit of Rs 25,000 from his SBI account and another unauthorized transaction of Rs 1.99 lakh without sharing an OTP. Later on, his phone stopped working.

Customer reports fraud to police and SBI

Banerjee immediately approached cybercrime police and filed a case and FIR. On the same day, he informed SBI through its helpline and email. Later, the bank recredited the Rs 25,000 and froze the account. However, the bank was unable to reverse the Rs 1.99 lakh debit.

After that, the matter reached NCDRC.

The bench of Presiding Member AVM J Rajendra (Retd) and Member Justice Anoop Kumar Mendiratta was hearing SBI's second appeal against a Karnataka State Consumer Commission order dated May 26, 2025.

NCDRC says bank cannot be absolved of liability

The commission said the bank cannot be absolved of liability towards the loss suffered by the complainant on account of unauthorised electronic transactions because the fraudulent transactions were reported within the stipulated period. It said that despite the fraud being reported

promptly SBI failed to take corrective measures. The commission said that simply downloading a fake app does not

NCDRC directs SBI to pay Rs 1,99,000 and Rs 25,000 compensation

SBI had claimed that there was a delay in reporting and argued that the fraud could not have happened without sharing OTP. However, the commission noted that the fraud was reported within hours and that the bank's own recredit of Rs 25,000 weakened its position. It also relied on the RBI's July 6, 2017 circular on zero liability for unauthorised electronic transactions reported within three working days. The commission



amount to negligence by the consumer. It said that there was no proof that the OTP was shared and the transaction was clearly unauthorized. It further said that the bank failed to prove any wrongdoing on the part of the customer.

directed SBI to recredit Rs 1,99,000 and pay Rs 25,000 compensation. The commission further asked the bank to comply within four weeks and said that an 8 percent annual interest would be charged if no action was taken.

Tim Cook net worth: How rich is Apple's outgoing CEO after 15-year run?

New Delhi, (Agency)

After nearly 15 years at the helm, Tim Cook is set to step down as chief executive of Apple, leaving behind a legacy that transformed the company into one of the most valuable businesses in the world. Cook, who will transition to the role of executive chairman, leaves behind a company that has grown into a nearly \$4 trillion giant. Not only has he helped Apple become one of the most valuable companies, but he has also added to his personal wealth with his net worth surging over the years. **TIM COOK'S NET WORTH**

Tim Cook's real-time net worth stands at around \$2.9 billion, according to Forbe's latest available data. Despite leading one of the world's most valuable companies, his wealth is modest compared to founder-CEOs in the tech industry. His wealth is largely tied to Apple stock. Cook owns more than 3 million shares of Apple, though this represents less than a 1% stake in the company. Over the years, he has also sold more than \$1 billion worth of

shares, adding to his personal fortune. Cook's journey at Apple spans nearly three decades.

He joined the company in 1998, after working at IBM for 12 years and a brief stint at Compaq. At Apple, he initially



handled operations and supply chain, an area where he built a strong reputation.

He later became chief operating officer under Steve Jobs, before taking over as CEO in 2011 when Jobs stepped down due to health reasons. That means Cook

has spent:

Nearly 28 years at Apple Around 15 years as CEO **APPLE'S GROWTH DURING HIS TENURE**

Under Cook's leadership, Apple saw unprecedented growth. Market value surged from about \$350 billion to nearly \$4 trillion. Annual revenue grew from \$108 billion in 2011 to over \$416 billion in 2025. Apple expanded to 500+ retail stores globally. Its active device base crossed 2.5 billion units. Cook's strength lay in operations and scaling. He turned Apple into a global powerhouse with one of the most efficient supply chains in the world. Apple has named John Ternus as the next CEO. Ternus, a long-time Apple insider and current hardware chief, will take over on September 1. Cook, now 65, will remain involved as executive chairman, ensuring continuity as the company transitions into a new phase. Unlike founders such as Steve Jobs or other Silicon Valley leaders, Cook did not build Apple from scratch.

SEBI slashes minimum investment in social impact funds to Rs 1,000 -- How will it impact small investors?

New Delhi, (Agency)

The Securities and Exchange Board of India (SEBI) has drastically slashed the minimum investment requirement for individual investors in social impact funds to Rs 1,000 in order to lower the barrier for entry from the Rs 2 lakh level that was in place until now, with the aim of increasing retail participation on the Social Stock Exchange (SSE). The reduced threshold of Rs 1,000 allows small investors to participate in SIFs, which are Alternative Investment Funds (AIFs) focusing on social or environmental impacts.

The SEBI amended AIF regulations to enable this change. This would align the minimum application size requirement for subscribing to zero-coupon zero principal instruments under its ICDR (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018, with the minimum investment value requirement for individual investors in the Social Impact Fund.

The move intends to increase capital flow for Not-for-Profit Organisations (NPOs) and social enterprises listed on the NSE and BSE Social Stock Exchange. The SEBI has amended AIF regulations to enable this change, lowering the barrier for entry from the previous mandatory Rs 2 lakh minimum.

By slashing the requirement, the capital markets regulator aims to make impact investing a "democratised" space, similar to retail equity investing, enabling broader participation in funding social causes. This initiative is part of broader SEBI efforts to strengthen the SSE ecosystem, which also includes easing registration norms for NPOs. The SEBI also said AIFs, which do not retain any funds after the expiry of their fund life, may be permitted to seek an "inoperative" status, subject to compliance with prescribed norms.

"An Alternative Investment Fund may be

tagged as an inoperative fund, in such manner and subject to conditions as may be specified by the Board from time to time," according to a SEBI statement. The move is premised on the principle that while entry into the securities market is subject to specified eligibility criteria, the regulatory framework for exit -- where an entity seeks to discontinue its activities -- should be clear, predictable and operationally efficient.

Earlier, the SEBI extended the registration validity for not-for-profit organisations on the Social Stock Exchange, allowing their enrolment as NPOs for three years without raising funds, and lowered the minimum subscription requirement for issuing zero-coupon zero-principal instruments. The regulator extended the validity period to three years from the existing two, during which NPOs can remain registered on the SSE without raising funds.



"The mother market US cruising at high levels do not reflect any concern of prolonged war. A prolonged war means slower growth and higher inflation for long. Such a scenario will push the market down," said Vijaykumar.

"In brief, uncertainty looms large. During such periods of uncertainty, the only thing investors can do is to remain calm and exercise utmost discipline in investing. Fairly-valued fundamentally sound stocks will be available at reasonable prices during this period of uncertainty and fear. Such stocks can be accumulated in a calibrated manner for the long-term," he added.

Apple shares rise 1% after Tim Cook exit, John Ternus named CEO

The stock closed at \$273.05, up \$2.82 or 1.04%, reflecting a measured but positive reaction from investors to the unexpected leadership change as John Ternus steps up to lead Apple.

New Delhi, (Agency)

Shares of Apple ended higher on Monday after the company announced that Tim Cook will step down as chief executive and be replaced by longtime insider John Ternus. The stock closed at \$273.05, up \$2.82 or 1.04%, reflecting a measured but positive reaction from investors to the unexpected leadership change. The gains suggest that markets are viewing the transition as stable, given that Apple has once again chosen an internal candidate to lead the company. Apple said Ternus, currently its hardware chief, will take over as CEO from September 1, while Cook will move into the role of executive chairman. The decision came as a surprise

to Wall Street, raising immediate questions about whether the new leadership can sustain Apple's growth trajectory. Despite the uncertainty, the stock's rise indicates investor confidence in Apple's succession planning and its ability to maintain continuity at the top.

TERNUS TAKES CHARGE AT A CRUCIAL TIME

Ternus, who joined Apple in 2001, has been a key figure behind the company's core products, including Macs, iPads and AirPods. He has also been credited with helping revive the Mac business and sharpening Apple's product lineup with both premium and more affordable offerings. His appointment comes at a critical moment for Apple, which is facing increasing pressure in artificial intelligence and semiconductor innovation. The company recently lost its position as the world's most valuable firm to chipmaker Nvidia, as investors grow concerned about its pace in AI development.

AI PUSH TO DEFINE NEXT PHASE

One of the biggest challenges for Ternus will be integrating artificial intelligence more deeply into Apple's ecosystem, especially the iPhone, widely regarded as the most successful consumer product



globally. Earlier this year, Apple partnered with Google to bring its Gemini AI model into Siri, signalling a push to strengthen its capabilities in the fast-evolving AI space. Analysts expect Apple under Ternus to accelerate work on new categories such as AI-powered devices, smart wearables and potentially foldable hardware, as it looks to regain momentum

in next-generation technologies.

COOK ERA LEAVES A MASSIVE LEGACY

Cook's exit marks the end of a 15-year tenure that transformed Apple into a global powerhouse. When he took over from Steve Jobs in 2011, Apple's market value stood at around \$350 billion. Under his leadership, it surged to nearly \$4 trillion. Revenue also saw a sharp rise, growing from \$108 billion in 2011 to over \$416 billion in 2025. Apple expanded its retail footprint to more than 500 stores globally and built an installed base of over 2.5 billion devices. The modest rise in Apple shares suggests that investors are not alarmed by the leadership change, but are taking a wait-and-watch approach.

While the internal transition provides stability, the real test for the stock will depend on how quickly the company can deliver on innovation, particularly in artificial intelligence. For now, the market response indicates cautious optimism as Apple prepares for its next chapter under John Ternus.

UP's prepaid smart meter drive sees more heat than light. Here's why

Across several districts of Uttar Pradesh, anger spilt onto the streets as consumers alleged installation of pre-paid electric meters without consent. People claimed they received inflated bills and were subjected to sudden power cuts. The UP government halted the drive amid rising summer temperatures, and ordered a probe.

New Delhi.(Agency)
A Noida-based journalist was in the middle of an important Zoom meeting when the lights went out. The Wi-Fi snapped and his laptop screen froze. He switched to mobile data, but when power wasn't restored even after an hour, alarm bells rang. A call to society management revealed the twist. "My electricity meter had been quietly switched from postpaid to pre-paid, and my balance had slipped into the negative. So, the supply had been cut," said the journalist. "I must have missed that one email," he said, adding that his society's WhatsApp group was flooded with similar complaints. Meters were changed from post-paid to pre-paid "bina pooche (without being asked)". This comes even as Union Power Minister Manohar Lal Khattar on April 3 clarified that pre-paid smart meters were not mandatory for all consumers. Yet, the journalist faced an ordeal. And the ordeal is just one glimpse

into the growing unease around Uttar Pradesh's pre-paid smart push. Across districts in Uttar Pradesh, consumers are flagging a range of issues. Apart from alleged installation without consent, there have been complaints of sudden spikes in electricity bills, power cuts despite positive balance on the app, and frequent technical glitches in the new pre-paid meter system. In Uttar Pradesh's Jalaun, villagers dumped their smart meters onto the streets and staged a road blockade, alleging that their electricity bills had shot up after the pre-paid meters were installed, reported Aaj Tak, India Today Digital's sister portal. In Aligarh, the anger spilt over as a group of women surrounded

a power department official and chased him away. It's the reports of these very problems faced by customers that have turned the pre-paid

smart meter rollout in Uttar Pradesh into a policy that is generating more heat than light. The controversy comes even as the north is bracing for a harsh summer with the mercury inching up with every passing day.



smart meter rollout in Uttar Pradesh into a policy that is generating more heat than light.

Taking note of the mounting complaints against discoms for allegedly forcing consumers to switch to pre-paid smart meters, the Uttar Pradesh Electricity Regulatory Commission (UPERC) has stepped in. The regulator on Sunday directed the state's parent DISCOM, Uttar Pradesh Power Corporation Limited (UPPCL), to submit a detailed report within 10 days. The Uttar Pradesh government on Sunday said that electricity would not be disrupted for three days even after smart meters, which are soon to be installed, run out of

Record growth in clean electricity in India helps decline in global power production from fossils: Report

New Delhi.(Agency)
Record power generation from clean energy sources in India in 2025 resulted in a rare decline in production of electricity from fossil fuels not just in India but also globally, a new report has revealed. India's fossil fuel-based electricity production in 2025 was about 52 TWh (52 billion units) less than the previous year, the global energy think tank Ember said in its annual Global Electricity Review. China also reported a similar decline in fossil-based electricity, producing about 56 TWh lesser power than 2024. The combined effect of declines in these two countries drove down global fossil electricity generation, the Ember report said. It was only the fifth time this century, and the first time since the COVID-19 pandemic, that fossil fuel-based electricity generation did not show a year-on-year increase, it said. "The global fall in fossil (fuel-based power) generation was driven by a historic reversal in fossil trends in China and India, the largest and third-largest fossil power countries globally. 2025 was the first year this century when fossil generation fell in both countries," the report said. "In China, it fell by 56 TWh, marking the first decline since 2015... In India, a record increase in both solar and wind generation, combined with strong hydro output and lower-than-average demand growth, led to a decline in fossil generation of 52 Twh," it said. India added almost 38 GW of new solar energy capacity in 2025. This was the first time that India had installed more solar capacity than the United States in a year. The US added about 33 GW of solar capacity in 2025. India also added more than 6.3 GW of wind power and about 4 GW of hydropower capacity. The total renewable energy capacity added in the year happened to be more than 48 GW.

'He was simply demanding a fair wage for labourers, is that so wrong?': Kin of main accused in Noida protest case

New Delhi.(Agency)
The last time Aditya Anand, a B.Tech graduate from NIT Jamshedpur, called home was over a week ago. It was a seemingly regular conversation between two brothers — Aditya asked after their mother's health, enquired how things were at home and discussed what had to be bought. The next time Akash Anand heard about his brother was on social media — as the main accused who allegedly led the Noida workers' protest that turned violent last week. "His pictures were circulating online and people were saying he was absconding. Then the calls from TV channels began pouring in," Akash told. The Noida Police has alleged that Aditya used WhatsApp groups to instigate violence during the protest and booked him on charges of rioting, criminal intimidation, provoking breach of peace and criminal conspiracy, among others. On April 18, a joint team of Noida Police and Uttar Pradesh STF had arrested him from Tiruchirappalli railway station in Tamil Nadu. Anand's lawyers told The Indian Express that they are yet to receive his remand papers seeking custody. They claimed that the police are likely to seek to extend the period of his judicial custody in the next hearing on Tuesday. Aditya, who first left home to attend NIT Jamshedpur, was not politically active on the campus, Anand said. But he continued to do social work. Around 2019, while working in a corporate office as a software developer in Gurgaon, Anand became involved with Mazdoor Bigul, which, according to its website, is a Left-wing periodical and organisation focused on informing urban labourers about their rights. "Aditya always looked for an organisation to volunteer wherever he went," said Akash. The family said that while they were aware Aditya was interested in social work, they did not know that he was so deeply involved. "When he spoke about his work, he mostly just told us about how he wished to teach the underprivileged children in Noida. We got to know about his arrest (in Tamil Nadu) only after my mother received a call from his friends," he added.

CBI arrests Reliance executives in multi-crore bank fraud case

New Delhi.(Agency)
The Central Bureau of Investigation (CBI) has arrested two senior executives of M/s Reliance Communications, D Vishwanath and Anil Kalya, in connection with an alleged large-scale bank fraud case involving multiple public sector banks. The case was registered by the CBI on a complaint filed by the State Bank of India (SBI) against Reliance Communications Limited, Anil D Ambani, and others, over alleged fraudulent activities linked to credit facilities extended to the company. According to SBI, the fraud has caused a total wrongful loss of around Rs 2,929.05 crore to the bank, while cumulative losses across 17 public sector banks and financial institutions are estimated at Rs 19,694.33 crore. Investigators have alleged that Reliance Communications engaged in circuitous transactions through

Investigators have alleged that Reliance Communications engaged in circuitous transactions through shell entities controlled by company officials. The probe also indicates the use of discounted letters of credit (LCs) for allegedly bogus service-related transactions with group entities, which subsequently devolved and resulted in significant losses to banks.



shell entities controlled by company officials. The probe also indicates the use of discounted letters of credit (LCs) for allegedly bogus service-related transactions with group entities, which subsequently devolved and resulted in significant

losses to banks. The CBI stated that D Vishwanath, who served as Joint President of Reliance Communications, was responsible for overseeing the group's banking operations and played a key role in coordinating with banks for sanctioning and disbursal of credit facilities. Anil Kalya, Vice President of the company, is accused of actively supporting him and assisting in managing corporate finance, banking operations, and fund utilization. Both accused executives are scheduled to be produced before the jurisdictional court. The investigation remains ongoing. The agency has also noted that in recent months it has registered seven cases against the Anil Ambani-led Reliance Group based on complaints from various public sector banks and the Life Insurance Corporation of India (LIC), alleging large-scale financial irregularities involving thousands of crores of rupees.

Muslim BJP leader putting tilak on Lenskart staff shows India's short fuse

The incident at a Lenskart store in Mumbai, where a Muslim BJP leader barged in, intimidated the Muslim manager, and applied a tilak on staff, cannot be brushed off as just another episode in the ongoing controversy. It was a stark example of how quickly public anger in India can escalate.



New Delhi.(Agency)
The controversy over the internal grooming policy of eyewear brand Lenskart has escalated quickly. However, in today's "reel age", it shouldn't be a surprise. Controversies are no longer small. What started as a debate quickly turned to outrage. Boycott Lenskart calls followed. But the incident in Mumbai this week, where a Muslim woman BJP leader barged into a store in Mumbai and started applying a tilak on the staff, is a stark example of how quickly public anger in India can escalate. On Monday, the protest became intimidation. Nazia Elahi Khan, who calls herself a BJP minority morcha leader, stormed into a Lenskart store in Mumbai with a camera crew and boldly confronted the store manager, who turned out to be a Muslim, over alleged curbs on bindi, tilak and kalawa (sacred thread worn by Hindus). "Mohsin Khan ho, isliye band karvaya tilak? (You are Mohsin Khan. Is that why you stopped everyone from wearing tilak?)" Nazia is heard asking in a confrontational tone. Now, let us not deny the fact that the controversy around Lenskart's alleged internal "style guide" has struck a nerve. Issues around religious expression - whether it be a tilak or a hijab - are deeply personal in India. Instances of religious insensitivities have often been blown out of proportion. Remember Fab India's 'Jashn-e-Riwaaz' controversy. Or Tanishq's 2020 ad that showed a Muslim family organising a baby shower for their Hindu daughter-in-law. In both cases, the companies had to withdraw their ads amid

Court raps police, orders probe into Hero Future Energies CEO in harassment case

New Delhi.(Agency)
A Delhi court has rapped the Delhi Police over an alleged improper investigation into allegations of sexual harassment against the CEO and a senior office-bearer of Hero Future Energies Ltd. In an order passed on April 17, which has been accessed by India Today, Mahila Court Magistrate Neetika Kapoor directed the ACP of South Delhi district to monitor the investigation and ensure that the persons named by the complainant are probed. The order also includes directions to interrogate Hero Future Energies CEO Shrivatsan Iyer by the next date of hearing in May. Meanwhile, Hero Future Energies said in a statement that the allegations against its CEO are "baseless and unfortunate." Hero Future Energies is a global renewable energy company and is part of the well-known Hero Group of companies. The case relates to the alleged sexual harassment of a woman employee by Mayur Maheshwari,



who is named as "Global Compliance Officer and Company Secretary," according to his online profile accessed by India Today. After the complaint was sent to the Internal Complaints Committee (ICC) of the company, instead of strict action against the accused, the matter was sought to be dismissed after a written warning to Maheshwari. The complainant then took the issue to the CEO, Shrivatsan Iyer, but was allegedly subjected to further sexual harassment and intimidation. During the hearing, advocate Apoorva Pandey, appearing for the survivor, pointed out that the FIR against CEO Shrivatsan Iyer and Mayur Maheshwari was registered after multiple complaints. Despite the FIR for sexual harassment under Sections 75, 78, and 3(5) of the BNS, the police failed to investigate the CEO and other senior company officials.

Some boundaries should never be crossed: Indian Army ahead of Pahalgam anniversary

A year on, as India mourns the victims, the Army sent a strong message aimed at Pakistan, warning that some boundaries should never be crossed and reminding them what follows if they are.

New Delhi.(Agency)
On April 22, 2025, terrorists backed by Pakistan opened fire on a group of tourists in Jammu and Kashmir's Pahalgam, killing 25 tourists and a local resident. In the aftermath, India launched Operation Sindoor, targeting Lashkar and Jaish terror camps in Pakistan. A year on, as India remembers and mourns the loss of lives, the Indian Army issued a strong message aimed at Pakistan, saying some boundaries should never be crossed and offering a stark reminder of what happens when they are. A day ahead of the anniversary of the Pahalgam attack, the Indian Army tweeted: "When the boundaries of humanity are crossed, the response is decisive. Justice is served. India stands united." The post was accompanied by a graphic that read: "Some boundaries should never be crossed. India does not forget." Meanwhile, security has been heightened at tourist locations throughout

Kashmir ahead of the first anniversary of the Pahalgam terror attack. All security agencies have been instructed to remain vigilant against



potential subversive activities, particularly around tourist areas, in light of the attack's anniversary. Preparatory meetings to ensure a comprehensive security plan have been conducted at the ground level, with senior officers reviewing these arrangements. The attack, which devastated the Baisaran

meadow in Pahalgam, led to a significant decline in tourism in Jammu and Kashmir and the temporary closure of nearly 50 tourist spots, which have since been reopened following a security audit. Currently, the meadows of Pahalgam are once again bustling with tourists, as the region, often referred to as 'Mini Switzerland,' moves beyond the shadow of last year's attack. New safety measures have been implemented at the Pahalgam resort, including the verification of service providers and vendors, such as ponywallahs, before they interact with tourists. A QR code-based identification system has been introduced for all tourism service providers to enhance tourist safety in Pahalgam. This system allows for easy identification and verification of registered service providers, including pony-ride operators, hawkers, business establishments, and external vendors.

NEWS BOX

India, UN officials discuss peacekeeping cooperation

VIENNA. (Agency)

Senior officials from India and the United Nations met in New York on Tuesday to discuss issues related to UN peacekeeping, the Permanent Mission of India to the United Nations said. The meeting was held between Sibi George, Secretary (West) in the Ministry of External Affairs (MEA) and Khaleel Khari, Assistant Secretary-General for the Middle East, Asia and the Pacific in the Departments of Political and Peacebuilding Affairs and Peace Operations. Gorge and Khari held a "productive discussion on various topics, with particular focus on UN peacekeeping", the mission said in a social media post. According to the UN India website, India is one of the largest contributors to UN peacekeeping missions. More than 275,000 Indian troops have served under the UN flag since 1948, with around 5,900 troops currently deployed in 12 UN Missions.

Tim Cook to exit as Apple CEO after 15 years, John Ternus to take over

TEHRAN. (Agency)

Apple CEO Tim Cook is stepping down from the job that he inherited from the late Steve Jobs, ending a 15-year reign that saw the company's market value soar by more than \$3.6 trillion during an iPhone-fueled era of prosperity.

Cook, 65, will turn the CEO duties over to Apple's head of hardware engineering, John Ternus, on Sept. 1 while remaining involved with the Cupertino, California, company as executive chairman. That's similar to the transitions made by Amazon's Jeff Bezos and Netflix's Reed Hastings after they ended their highly successful tenures as CEO.

To allow Cook to assume his new job, Arthur Levinson will relinquish his role as Apple's non-executive chairman while remaining on its board of directors.

"It has been the greatest privilege of my life to be the CEO of Apple and to have been trusted to lead such an extraordinary company," Cook said in a statement. "I love Apple with all of my being, and I am so grateful to have had the opportunity to work with a team of such ingenious, innovative, creative, and deeply caring people." Ternus, 50, has been with Apple for the past quarter century, including the past five years overseeing the engineering underlying the iPhone, iPad and Mac — a role that made him a prime candidate to succeed Cook. "I am profoundly grateful for this opportunity to carry Apple's mission forward," Ternus said in a statement.

Cook and Ternus may have more to say about the changing of the guard on April 30 when Apple is scheduled to release its financial results for the first three months of the year. The transition to a new CEO comes at a pivotal time for Apple. Artificial intelligence has unleashed the most upheaval within the industry since Jobs unveiled the first iPhone in 2007. Apple has gotten off to a rough start in AI after stumbling in its efforts to deliver new features built on the technology, as promised nearly two years ago. Earlier this year, Apple finally turned to Google — an early leader in the AI race — for help making the iPhone's virtual assistant Siri into a more conversational and versatile helper.

Chemicals For Missiles From China On Seized Iran Ship? Nikki Haley's Big Claim

Washington. (Agency)

Nikki Haley, the Indian-origin member of US President Donald Trump's Republican Party, has claimed that the first Iranian ship seized by the American Navy in the Strait of Hormuz, after the US blockade was imposed, was travelling from China and was carrying chemical shipments for missiles.

"The ship the US seized in the Strait of Hormuz this weekend was headed from China to Iran and is linked to chemical shipments for missiles. It refused repeated orders to stop," Haley said in a post on X.

She also claimed that the prospect of China helping Iranians in the war is a "reality that can no longer be ignored." "Another reminder that China is helping prop up Iran's regime — a reality that can't be ignored," Haley added. US forces seized the Iranian-flagged container ship *Touska*. The small container ship,



which is part of the Islamic Republic of Iran Shipping Lines (IRISL) group that has been hit with US sanctions, was boarded on Sunday off the coast of Iran's Chabahar port in the Gulf of Oman, according to ship-tracking data on the Marine Traffic platform.

Iran's military said the ship had been travelling from China and accused the US of "armed piracy". Tehran also said it would not join the US in Islamabad for the second round of talks until the blockade is lifted. Iranians said they were ready to confront US forces over the "blatant aggression" but were constrained by the presence of crew members' families on board. Meanwhile, US security sources told news agency Reuters that their initial assessments were that the vessel was likely to be carrying dual-use items after a voyage from Asia. The vessel had previously transported items deemed as dual-use, one of the sources said. The sources did not go into details on the items. However, US Central Command (CENTCOM) has listed metals, pipes and electronic components among other goods that could have a military as well as an industrial use and could be captured

Gunman shoots several tourists at historic pyramids in Mexico, killing a Canadian

The shooter later died from a self-inflicted gunshot wound, authorities said, and security officials found a gun, a knife and ammunition.

MEXICO CITY. (Agency)

An armed man standing atop one of the historic Teotihuacán pyramids opened fire on tourists Monday, killing one Canadian and leaving at least 13 people injured at the archaeological site north of Mexico's capital, authorities said. The shooter later died from a self-inflicted gunshot wound, authorities said, and security officials found a gun, a knife and ammunition.

The local government said seven people were wounded by gunshots. How the other people were injured was not disclosed, but those taken to hospitals for treatment were

six Americans, three Colombians, one Russian, two Brazilians and one Canadian, the local government said. Video and photos published by local media showed a man standing with a gun on top of a pyramid while people ducked for cover. A number of gunshots rang out in the videos. The shooting took place shortly after 11:30 am when dozens of tourists were at the top of the Pyramid of the Moon. A man standing on the structure's platform began firing upward, according to a tour guide who was at the scene and spoke to The Associated Press on condition of anonymity for safety reasons.

"Some people, because they were scared ... threw themselves face down on the ground, and the rest of us started to go down," the guide said, recounting how the shooter, upon seeing the tourists descending the pyramid's steps, began firing. Another group of visitors lay motionless on the pyramid's platform to avoid being targeted by the shooter, who authorities have not yet identified. Brenda Lee, of Vancouver,



British Columbia, said she was waiting to buy a souvenir when she and others in her group thought they heard firecrackers. "Before we knew it, someone said, 'No, that's gunfire, run,' and we saw people coming off the top," she told CTV News, one of Canada's national television broadcasters. "There were thousands of people there and there were a lot of gunshots that just kept coming," Lee said. The scene quickly turned chaotic as people tried to escape, Lee said.

"And then a fellow jumped," she said. "It was someone trying to get away, and he dropped to the next level, but he fell on his

Trump says recovering Iran uranium 'will be a long and difficult process'

The US leader regularly uses the term "nuclear dust" to refer to Iran's stock of enriched uranium, which the United States accuses Iran of hoarding in order to make an atomic bomb.

WASHINGTON. (Agency)

US President Donald Trump said late Monday the United States obtaining uranium from Iran would be "long" and "difficult" in the aftermath of last year's US strikes on Tehran's nuclear sites. "Operation Midnight Hammer was a complete and total obliteration of the Nuclear Dust sites in Iran," Trump wrote on his Truth Social platform, adding: "Therefore, digging



it out will be a long and difficult process." The US leader regularly uses the term "nuclear dust" to refer to Iran's stock of enriched uranium, which the United States accuses Iran of hoarding in order to make an atomic bomb. But he has also sometimes used it to refer to material left from US strikes on Iran's

nuclear facilities in June last year. The 79-year-old president maintains Iran's stockpile of enriched uranium would ultimately be transferred to US territory, despite Iran's foreign ministry denying any such plans.

The United States and Israel launched joint strikes on Iran on February 28 to remove what Israel described as "the existential threat" posed by the Islamic republic's nuclear program.

Israeli officials say Tehran had stepped up efforts to acquire an atomic weapon since the end of the 12-day war in last June, which was launched by Israel and included US bombings of three nuclear facilities, including an enrichment plant.

Japan approves scrapping a ban on lethal weapons exports in a change of its postwar pacifist policy

JERUSALEM. (Agency)

Japan on Tuesday endorsed scrapping a ban on lethal weapons exports, a major change of its postwar pacifist policy as the country seeks to build up its arms industry and deepen cooperation with defense partners. The approval by Prime Minister Sanae Takaichi's Cabinet of the new guideline clears a final set of hurdles for Japan's postwar arms sales. The move comes as the country accelerates its military buildup in the face of growing security challenges in the region.

While the change of policy met with China's criticism, it has been largely welcomed by Japan's defense partners like Australia and attracted interests from Southeast Asia and Europe.

Opponents say the change violates Japan's pacifist constitution and will increase global tensions and threaten the safety of the Japanese people.

The new policy would "ensure safety for Japan and further contribute to the peace and stability in the region and the international society as the security environment around our country

rapidly changes," Chief Cabinet Secretary Minoru Kihara told reporters.

"The government will strategically promote defense equipment transfer to create a security environment that is desirable for Japan and to build up the industrial base that can support fighting resilience." Japan had long prohibited most arms exports under its post-World War II pacifist constitution. It has made recent changes due to rising global and regional tensions, but exports were limited to five areas: rescue, transport, alert, surveillance and minesweeping.

The new guideline scraps those limits and allows the export of equipment such as fighter jets, missiles and destroyers, a major change from existing exports such as flak jackets, gas masks and civilian-use vehicles Japan has sent to Ukraine and intelligence radar sold to the Philippines. The export, for now, will be limited to 17 countries that have signed defense equipment and technology transfer agreements with

Japan. They also must be approved by the National Security Council and the government will monitor how the weapons are managed afterward.

In principle, Japan still will not export lethal weapons to countries at war.

In 2014, Japan began to export some non-lethal military supplies, and in December 2023 it approved a change that would allow sales of dozens of lethal weapons and components that it manufactures under licenses from other countries back to the licensors such as the United States.

An earlier easing in 2023 was to clear the way for Japan to sell U.S.-designed Patriot missiles to America to make up for munitions that Washington has sent to Ukraine. The revision was also to pave the way for Japan to jointly develop a next generation fighter jet with Britain and Italy. In its biggest deal ever, Japan formalized a deal last week to deliver the first three of a \$6.5 billion fleet of Japanese-designed frigates for the Australian navy and jointly build eight others in that country.

US, Iran warn ready for war as talks in limbo

Iran's Revolutionary Guards warned of targeting any vessel attempting to pass through the Strait of Hormuz without permission.

TEHRAN. (Agency)

The United States and Iran each warned they were ready for war as the clock ticked down Tuesday on a ceasefire, with uncertainty on talks that President Donald Trump had announced would resume in Pakistan.

The White House said Vice President JD Vance was ready to fly back to the Pakistani capital Islamabad, which was preparing for a second round of talks on ending the war that has engulfed the Middle East and shaken global markets. But Tehran's cleric-run government declined to confirm that it would participate and accused the United States of violating the truce through its blockade of Iranian ports and seizure of a ship. "By imposing a blockade and violating the ceasefire, Trump wants to turn this negotiating table into a surrender table or justify renewed hostilities, as he sees fit," said Iran's powerful parliament speaker Mohammad Bagher Ghalibaf, who headed the delegations to talks two weeks ago in Pakistan. "We do not accept negotiations under the shadow of threats, and in the last two weeks we have been preparing to show new cards on the battlefield," he wrote on

X. Iran's Revolutionary Guards warned of targeting any vessel attempting to pass through the Strait of Hormuz without permission. Trump has similarly accused Tehran of violating the truce by harassing vessels in the key strait, the transit passage for about a fifth of the world's oil that Iran had all but shut in retaliation for the war launched February 28 by the United States and Israel. The channel in peacetime sees around 120 daily transits, according to Lloyd's List, a shipping industry intelligence site. On Tuesday, the site reported that more than 20 Iranian so-called "shadow vessels", had transited past the US blockade. In one of a series of posts on his Truth Social platform, Trump insisted that the blockade was "absolutely destroying" Iran and said it will not end "until there is a 'DEAL,'" in which the United States is pressing for Iranian concessions on its contested nuclear programme. Agreed to attend talks Trump told PBS News that Iran was "supposed to be there" at the talks in Pakistan. "We agreed to be there," he said, warning that if the ceasefire expired "then lots of bombs

start going off". He separately told Bloomberg News it was "highly unlikely" he would extend the two-week truce. Based on its start time, the truce theoretically expires overnight Tuesday, Tehran time,



although in his comments to Bloomberg, Trump said the end was a day later, on Wednesday evening Washington time. Oil prices fell on Tuesday while most stocks rose on lingering hopes for a deal to end the US-Iran war and reopen the Strait of Hormuz, even as Tehran said it had not decided whether to attend peace talks. Despite some normalcy of life returning to Tehran during the ceasefire, city residents who spoke to Paris-based

back, and it was ... it just was awful." In past years, staff at the archaeological site carried out security scans before people entered the area but have since stopped.

Mexican President Claudia Sheinbaum wrote on social media that the shooting would be investigated and that she was in touch with the Canadian Embassy.

"What happened today in Teotihuacán deeply pains us. I express my most sincere solidarity with the affected individuals and their families," she wrote. Anita Anand, Canada's foreign affairs minister, said on X that as a "result of a horrific act of gun violence, a Canadian was killed and another wounded in Teotihuacán" and that her "thoughts are with their family and loved ones." The Teotihuacán pyramids are a series of massive structures on the outskirts of Mexico City built by three different ancient civilizations. As one of Mexico's most important touristic destinations, the site drew more than 1.8 million international visitors last year, according to government figures.

Mexican President Sheinbaum demands explanation after US officials die after operation in Chihuahua

YANGON. (Agency)

Mexican President Claudia Sheinbaum said Monday she would demand explanations over what US and Mexican officials were doing in northern Chihuahua when they died in an accident over the weekend, noting that any joint collaborations between the local government and the US without federal permission would be a violation of Mexican law. The crash, following an operation to destroy a clandestine drug lab in a rural area, has reignited a debate over the extent of U.S. involvement in Mexican security operations. Speculation was only fueled by Sheinbaum, local officials and the U.S. Embassy appearing to contradict each other and at times themselves, and offering sparse details about the U.S. officials who died. "It was not an operation that the security cabinet was aware of," Sheinbaum told journalists. "We were not informed; it was a decision by the Chihuahua government." It comes at a key moment for the relationship between the two neighboring nations as Mexico faces escalating pressure from U.S. President Donald Trump crack down on cartels and Sheinbaum underscores Mexico's sovereignty. Sheinbaum said her government would investigate the incident to ensure no laws were broken after the deaths on Sunday, adding that state governments must have authorization from Mexico's federal government to collaborate with U.S. and other foreign entities "as established by the Constitution." A resurfaced debate Sheinbaum said her government would provide more information when it has more details, but insisted Monday that "there are no joint operations on land or in the air" in Mexico. She said there is only sharing of information between her government and the U.S., carried out within a "well-established" legal framework. While U.S. officials' training of Mexican security forces is common, their presence on Mexican territory has been the subject of ongoing debate, which has intensified after Trump's military actions in Venezuela and Iran. Trump has repeatedly offered to take action on Mexican cartels, intervention which Sheinbaum has said was "unnecessary." The Trump administration has already launched joint military operations in Ecuador, a country that has been roiled by violence by drug gangs in recent years. Last year, Sheinbaum said the U.S. had conducted surveillance drone flights at Mexico's request after a series of conflicting public statements on the issue, also sparking alarm among observers. The most recent controversy surfaced in January over the detention in Mexico of former Canadian athlete Ryan Wedding, one of the United States' most wanted fugitives.

AFP journalists said the situation was far from rosy.

"Let's see what happens by Tuesday," one 30-year-old doctor said on condition of anonymity. Saghar, 39, said there was little hope for Iranians squeezed by the government and the war's impact, adding that the "economy is horrible".

New Israel-Lebanon talks

A separate ceasefire agreed between Israel and Lebanon was announced on Friday and included Hezbollah, whose rocket fire in support of Iran drew Lebanon into the war.

Israel and Lebanon, which have no diplomatic relations, will hold a second round of talks on Thursday in Washington, a State Department official told AFP.

Sporadic violence continued and Israel's military warned civilians against returning to dozens of villages in southern Lebanon, claiming Hezbollah's activities were violating the truce. The UN Security Council condemned on Monday the killing of a French peacekeeper in Lebanon, whose death France blamed on Hezbollah.

NEWS BOX

How Hardik Pandya's mid-innings charge-up sparked Tilak Varma's comeback vs GT



Mumbai. (Agency)

Mumbai Indians skipper Hardik Pandya's mid-innings intervention proved to be the turning point as Tilak Varma scripted a stunning comeback for the side against Gujarat Titans in their Indian Premier League (IPL) 2026 clash on April 20. A moment that looked routine during the drinks break ended up changing the course of the match.

The moment gained even more attention after a video of the exchange went viral on social media, showing an animated Pandya having a word with Tilak in the middle. At that point, MI were under pressure and Tilak was struggling at 19 off 22 balls, with wickets falling around him. The likes of Danish Malewar, Quinton de Kock and Suryakumar Yadav had already departed, while a set Naman Dhir also failed to convert his start. What followed was a complete shift. From a cautious 19 off 22, Tilak exploded, smashing 82 runs off his next 23 deliveries. The innings transformed from a rebuilding effort into a statement knock, as he brought up his maiden IPL hundred and powered MI to a competitive 199 on what was a tricky Ahmedabad surface. Speaking after the match, Pandya revealed the essence of that conversation, emphasising the need for Tilak to trust his natural game.

The message I think, I realised that the kind of talent Tilak has, he really doesn't have to worry. So my message to him was just watch the ball and hit the ball. Was about time he came out and delivered. It was much needed for Tilak, the group and Mumbai Indians," Pandya said at the post-match presentation. The impact of that knock went beyond just the scoreboard. It lifted a side that had been struggling for momentum and injected belief into a campaign that was starting to drift.

HOW TILAK'S TON LIFTED MI

Tilak's unbeaten 101 off 45 balls came at a crucial juncture, when MI were placed at 103 for 4 after 14 overs. What followed was a calculated acceleration that completely altered the tempo of the innings, turning a modest total into a daunting one.

IPL Play of the Day: Relief for Jasprit Bumrah after MI figure out right way to use cheat code

NEW DELHI. (Agency)

The Mumbai Indians in Ahmedabad is usually a horror story, but this time, the script flipped on the Gujarat Titans. And at the heart of it was a man who, until recently, looked like he was in a two-horse race with Ajinkya Rahane for the 'Most Outstandingly Auraless Captaincy' award. Jasprit Bumrah hadn't taken the new ball in the IPL since 2022. The moment he finally did, he needed just one delivery to end a five-innings wicket drought. We keep calling Bumrah the "X-factor," but this season, he has often been treated more like a luxury kept in reserve than a weapon used upfront. "It's quite fascinating. I see a lot of people asking why Jassi isn't bowled up front, but he's only bowled the first over seven or eight times in his career," Hardik Pandya said after the game. "So, it's not a Hardik Pandya problem; it's an 'everybody'



problem. Bumrah is so special that you naturally want to save him for later." FROM DEFECTION TO DOMINANCE Only days ago, there was footage doing the rounds of a frustrated Jasprit Bumrah staring into the distance from the boundary rope. Fast forward to Ahmedabad, and that mood flipped the moment he was handed the new ball against a Gujarat Titans top order most bowlers would rather avoid.

Charging in against Sai Sudharsan, Bumrah delivered one of those teasing full balls that shape away just enough. Sudharsan, caught in between, pushed at it with heavy feet and only managed a toe-ended slice.

The result? A straightforward catch for debutant Krish Bhagat inside the circle. One ball, one wicket, drought ended, mood reset.

Novak Djokovic eyes India trip, wants to meet Virat Kohli in tennis-cricket crossover

Novak Djokovic eyes India visit, thanks fans for support and hopes to meet Virat Kohli for a tennis-cricket crossover, saying the India trip has been on his mind for the past few years.

Madrid. (Agency)

Novak Djokovic has expressed his desire to visit India in the near future, saying he feels a strong connection with fans in the country and hopes to spend time there soon.

The 24-time Grand Slam champion thanked Indian supporters for their backing over the years, highlighting their presence both at tournaments and across the world. "My message is always love, respect, appreciation, first of all, for all the support over the years that I've personally been receiving from all the Indian tennis fans and Indian sports fans around the world," Djokovic told Times Now in an interview on



the sidelines of the Laureus Sports Awards in Madrid. He added that he has long felt a 'calling' to visit India and is keen to engage with fans more closely. "My message would also be: see you very soon in India, because I need to go to India. I've been feeling a calling to come for the last couple of years," he said, adding that he hopes to organise an event or even play a match during the visit.

DJOKOVIC EYES INDIA VISIT

Djokovic said he is hopeful of making the trip



in the near future, although he acknowledged the uncertainties at this stage of his career. "I really hope that I'll be able to come to India and do an event, play a match or whatever it is. I really wish for that because I feel very close to Indian people," he said. The Serbian great added that while timelines for his India visit remain uncertain, the intention to travel is firm, with scheduling likely to depend on his playing commitments. Djokovic also looked ahead to the Olympic cycle,

acknowledging the challenges at this stage of his career. "I am looking forward to it. I think it's a very long way, two years, for me at this stage of my career and life, but you never know," he said. He added that representing Serbia at the Olympics remains a key goal going forward.

THE VIRAT KOHLI CONNECTION

Djokovic also spoke about his relationship with Virat Kohli, revealing that the former India captain played a role in introducing him to cricket. "Yes, Virat is a friend and someone I, of course, respect and admire. He is actually, to be honest, the reason why I started following cricket," he said.

He added that the two have stayed in touch and could share a light-hearted sporting moment if his visit materialises. "When I come to India, hopefully he can join, and then we could do a little bit of tennis, a little bit of cricket, and have fun and just spread positive, good vibes with people and celebrate sport," Djokovic said. The prospect of a crossover between tennis and cricket involving two of the biggest names in global sport has already generated excitement among fans.

Carlos Alcaraz, Aryna Sabalenka headline Laureus Awards in Madrid as PSG win big

Carlos Alcaraz and Aryna Sabalenka led the winners at the Laureus Awards 2026 in Madrid, while PSG clinched Team of the Year. India women's cricket team, despite a historic World Cup win, missed out on the top honour.

Manchester. (Agency)

The Laureus World Sports Awards lit up Madrid on Monday as the biggest names in global sport gathered for a star-studded ceremony celebrating the finest achievements of the past year. The red carpet event brought together champions, legends and rising stars at one of sport's most prestigious honours nights.

Tennis players led the winners, with world No. 1s Carlos Alcaraz and Aryna Sabalenka named Sportsman and Sportswoman of the Year respectively, while Paris Saint-Germain were crowned Team of the Year after a dominant season. In Formula One, Lando Norris secured the Breakthrough of the Year award. The ceremony was hosted for the first time by two athletes, Novak Djokovic and Eileen Gu, and also featured a series of special honours. Nadia Comaneci received a lifetime recognition, while Lamine Yamal and Toni Kroos were among those

recognised for their impact on the sport. Held in the Spanish capital during a busy sporting week, the awards once again had winners across multiple disciplines. Voted by



members of the Laureus World Sports Academy, the honours recognise both elite performance and lasting influence on sport.

FUTBOL MAS WINS SPORT FOR GOOD Futbol Mas received the Laureus Sport for Good Award in recognition of its work supporting young people across Latin

America, Africa and Europe. The organisation uses football as a tool to promote resilience, inclusion and community leadership.

Its programmes are part of a wider network of more than 300 Laureus-supported initiatives worldwide. The award highlights the role of sport in driving social change and creating opportunities for at-risk communities.

COMANECI RECEIVES LIFETIME HONOUR

Nadia Comaneci was awarded the Laureus Lifetime Achievement Award, 50 years after becoming the first gymnast to score a perfect 10 at the Olympic Games. She won three gold medals in 1976 and added two more in 1980, redefining the sport. A founding member of the Laureus World Sports Academy, she has also played a key role in promoting sport as a tool for social change. Her influence continues to be felt across generations of athletes.

India may rest top stars for Afghanistan Test, final call with management

BEIJING. (Agency)

The Indian cricket team faces a packed international calendar after the IPL 2026 concludes on May 31, and the management will monitor workloads before finalising squads for the subsequent assignments. With only a few days separating the IPL final and the one-off Test against Afghanistan (June 6-10), top players might be rested for the red ball contest and play the ODI series that follows instead.

TimesofIndia.com has learnt that the management will make the final decision, but the idea is under discussion, and selectors will monitor how far the regular Test players advance in the IPL. The discussions around it will remain fluid since no World Test Championship points are on offer and there is a strong possibility that star players - including captain Shubman Gill, Jasprit Bumrah and other regulars in

both ODIs and Tests — will sit out.

The situation could well change if, for example, the Gujarat Titans and Mumbai Indians are not in playoff contention. With all options on the table, a final call is expected when the selectors finalise the



squad for the Test and three ODIs.

"There is not much gap between the IPL final and the Afghanistan Test, so the selectors and management will be wary of not

burning out the players, as there are three ODIs, then the white-ball series in England.

"There are no WTC points in the Afghanistan Test, and the stakeholders need to carefully manage the workload because some of the players would be on the road for close to two months and have a lot of cricket in the remainder of the year." ODIs and WTC are priority right now, and you want your best players to be fit, fresh and available for the four Tests - two vs Sri Lanka and two vs New Zealand - and the many ODIs. Why even risk a Bumrah for this Test?" said a source tracking developments.

It is further understood that the selectors have been tracking fast bowlers and spinners in the domestic circuit; maiden call-ups could be on the cards for the fixture in Mullanpur starting June 6. Gurnoor Brar has impressed the men who matter, and so has left-arm spinner Manav Suthar.



quietly building in the background. Because this isn't just another bilateral series, it could very well shape what comes next. With the Los Angeles Olympics and the 2028 T20 World Cup on the horizon, every innings starts to carry a bit more weight. Which brings us to the man waiting in the shadows. Shreyas Iyer. In form, in control, and increasingly ticking the leadership boxes in the shorter format. If Suryakumar finds his rhythm again, the script stays intact. If not, India already have a ready-made alternative lined up.

CAPTAIN SHREYAS KEEPS RISING

Shreyas Iyer hasn't exactly shouted for attention. He's just quietly stacked results.

Think about it. Took Delhi Capitals to their first-ever IPL final in 2020. Then went one better with Kolkata Knight Riders, lifting the title in 2024. Followed that up by dragging Punjab Kings to the 2025 final.

IPL 2026: Ashwani Kumar's stunning 4-24 on his season debut dismantled the Gujarat Titans' middle order, lifting Mumbai Indians from the bottom of the table. Combined with Tilak Varma's century, this clinical performance snapped MI's losing streak and secured their first-ever win in Ahmedabad.

Mumbai. (Agency)

When you think of Mumbai Indians' bowling, names like Jasprit Bumrah usually dominate the conversation. Ashwani Kumar might have been the last name on the fans' lips, and perhaps even Hardik Pandya's, considering the left-arm pacer was benched for the first five matches of the season. However, after MI plummeted to the bottom of the table with four losses, Ashwani's inclusion proved to be a crucial factor in the context of the

game. Making his season debut at the Narendra Modi Stadium, a venue that had become a bogey ground for Mumbai, Ashwani dismantled the Gujarat Titans with a stunning 4-24. His performance ensured that Mumbai maintained their near-flawless record of defending 200-plus targets, now winning 19 out of 20 such instances. Despite the high-pressure environment of a must-win game, Ashwani remained unfazed by the unpredictable Ahmedabad surface.

"It's a black-soil pitch, so we expected the ball to stay low. From the first delivery, we noticed some uneven movement," Ashwani noted during the post-match press conference. Rather than sticking to a rigid pre-game script, Ashwani emphasised the importance of real-time adaptation. "We had studied the batters beforehand, but once we got onto the field, we realised we had to adapt to what the pitch demanded. Success came from adjusting to the conditions."

Ashwani's haul was no fluke; he systematically removed GT's dangerous

middle order, including Shubman Gill, Rahul Tewatia, Shahrukh Khan, and Rashid Khan. His strategy relied heavily on aggressive



lengths and constant communication with his captain. "Once I went in there, I saw that bowling hard lengths and back-of-a-length deliveries was working, so I kept backing that plan," Ashwani explained. When asked about his frequent use of the short ball, he

credited the tactical synergy with Hardik Pandya: "We were planning to take wickets, and after discussing it with Hardik, we executed accordingly."

PREPARATIONS IN THE SHADOW

For a player who spent the first three weeks of the tournament on the sidelines, Ashwani's rhythm was remarkably sharp. He revealed that his time on the bench was spent honing specific skills and finding mental balance.

"I worked on my yorkers and swing bowling in the nets. I was just waiting for my chance and stayed prepared," he added, while revealing that he spent that time visiting the temple to stay grounded while waiting for his opportunity. Combined with Tilak Varma's historic 45-ball century, Ashwani's four-fer has catapulted Mumbai Indians from 10th to 7th on the points table. It was a performance that mirrored his sensational IPL debut against KKR last year, proving that he thrives when the stakes are highest.



Sanya Malhotra

Reveals Why She Felt 'Worried' She Won't Get Work: 'Mujhe Panic Attack Aata Tha'

This year, Sanya Malhotra completes ten years of being an actor. It was in 2016 that she marked her debut with Aamir Khan's Dangal, where she played wrestler, Babita Kumari. She may have had a shorter screen time in the film but Sanya went on to carve a niche for herself with critically acclaimed performances in both mid-budget as well commercially big films.

An outsider from Delhi, Sanya navigated the ways of showbiz on her own terms. But what has been the toughest part of her journey was learning to say no to patterns that didn't sit well with her. "I learnt how to say no over time. Now, I say it quite easily. But it took me some time. Na bolne se pehle mujhe panic attack aa jaata tha," she tells News18 exclusively.

What further petrified her was the fear of less work offers as a consequence. "I used to wonder, how do I say no? I would be worried that if I do that, I may not get work after that. And even if I somehow did it, I would carry this guilt for months on end. Apart from me not getting more opportunities, mujhe yeh darr lagta tha ki unko bura lag gaya hoga," says Sanya.

Polite but stern is her mantra now. "You need to understand this that a film is a director's medium. But you, as an actor, can definitely give your suggestions. Sometimes, they listen to you and sometimes, they don't. But I learnt it the hard way that if I don't say no, it would mean that I'm only living their dream and doing things their way instead of living my own life," she remarks.

The actor, who was recently seen in Toaster, further adds, "I believe that there's a way to put your point across. If you do it in the right way, then there's no problem. If it's about a stunt, then you'll really have to put your foot down. You can't take these things so lightly."

Sanya's Toaster co-actor Archana Puran Singh recalls an episode from the sets that stayed back with her. "I learnt this facet from Sanya while working with her on the sets of Toaster. She had put her foot down and said that she can't give a certain shot by riding a scooter. I tried pushing her but then I came to know that she had had a bad experience while riding a scooter earlier. She had met with an accident," Archana tells us.

Further praising the Mrs and Kathal actor, she adds, "Since she wasn't confident, she said no because she didn't want to give a bad shot. That's when a body double was brought in. I remember speaking to her at that time and lauded her for saying no with so much confidence and self-assurance and that's when she told me that she has learnt this the hard way."



'Nobody's Offering Me Roles': Archana Puran Singh Regrets Turning Down Films For Kapil Sharma Show



After grabbing eyeballs with her role as a protagonist in Jalwa (1987) opposite Naseeruddin Shah, Archana Puran Singh went on to be relegated to supporting roles. Sometimes, she appeared in item songs in films like Baaz and Judge Mujrim, and at other times, her comic roles (in Insan, Kuch Kuch Hota Hai, De Dana Dan and Bol Bachchan) led to her getting typecast.

In 2019, her entry as a judge in The Kapil Sharma Show by replacing Navjot Singh Sidhu may have led to a popularity resurgence, but according to Archana, that also meant lack of film offers. Speaking exclusively to News18, she says, "I haven't been able to work in films for all these years. This one time, I got a call. They required me to travel to Scotland for a shoot for 25 days."

"But it wasn't possible for me to leave the shoot of Kapil's show and film elsewhere. Earlier, when the show used to be aired on TV, we would film a hundred episodes a year. That's the reason I didn't have time to anything else. I ended up saying no to a lot of films. And since I've said no so many times, people stopped approaching me for acting assignments," she adds.

But with The Great Indian Kapil Show now streaming on Netflix, Archana's hopeful she'll get a new lease of life. "Now we shoot for it on a season-to-season basis. As a result, I don't have the commitment to be in India for the whole year. I can now travel and shoot for other projects. This is why I'm very happy that the show now runs on Netflix," Archana states.

On a related note, she was recently seen in a comic but pivotal role in Toaster. It marks her second collaboration with Rajkumar Rao, who also marked his debut as a producer with the film. In Archana's words, Toaster would've never happened if not for Vicky Vidya Ka Woh Wala Video, where they had shared screen space for the first time. "Rajkumar saw my work in Vicky Vidya Ka Woh Wala Video. That was the first that he and I was in a relationship of being colleagues. And that's how Toaster happened. If didn't work with him in that film, I may not have been a part of Toaster. And much like how that film gave way to Toaster, I'm hoping that Toaster gives way to at least two more films for me," she says.

Jawan Director Atlee Welcomes Baby Girl With Wife Priya: 'Feeling Blessed'



Congratulations are in order for filmmaker Atlee and his wife, producer-actor Priya Atlee, who have shared that their family has grown. After welcoming their son Meer in January 2023, the couple announced on Instagram that they have now welcomed a baby girl on April 20. Taking to Instagram, Atlee and Priya dropped the announcement post. It reads, "YAY! I'VE GOT A BABY SISTER!" with an arrow pointing to a sketch "Big Brother Meer". He is seen sitting on a toy car, smiling and looking excited – clearly celebrating becoming an older sibling!

In January 2026, the couple took to Instagram to reveal they're expecting a second baby, and the announcement is filled with love, family and plenty of furry friends. In a beautifully styled announcement post, Priya shared a series of photos that radiated their joy.

One photo showed Priya cradling her baby bump in a relaxed mendhi-green dress while leaning into Atlee's warm smile. In another frame, their little boy Meer sat playfully alongside, adding a sweet "big brother" energy to the photos. In another photo, the pets are seen lounging around the shoot. Priya even signed off her note with all their names together. In the caption Priya wrote, "Our home is about to get even cozier with the addition of our newest member! Yes! We are pregnant again! Need all your blessings, love and prayers With love Atlee, Priya, Meer, Becky, Yuki, chocki, Coffee and Goofy."

The couple had first announced Priya's pregnancy in December 2022, eight years after their marriage, and welcomed their son Meer on January 31, 2023.

Atlee married Priya in 2014 after dating for several years. Their wedding was an intimate ceremony attended by close friends and family from the film industry. Since then, Priya has remained closely involved in Atlee's journey, supporting his work and standing by him as he rose to become one of the most successful directors in South cinema.

Shraddha Kapoor

To Star Opposite Aamir Khan In Ashneer Grover's Biopic? Deets Inside

It was in 2025 when Aamir Khan made his first on-screen appearance with his film Sitaare Zameen Par, and a recent update suggested that the actor is now looking forward to headlining Ashneer Grover's biopic. With Aamir reportedly on board, reports around the female lead of the film have started coming in. As per a recent update, Shraddha Kapoor will be starring opposite Aamir Khan as the lead.

As per Mid-Day, Shraddha Kapoor playing the lead in Ashneer Grover's biopic was finalised quite early. "It was decided early on that Shraddha would play the female lead. She has seen the screenplay develop up close," an insider shared with the portal.

Meanwhile, a source informed Bollywood Hungama about Aamir coming on board. The source shared, "Aamir has read it and loved it; he is doing this film. It's in the pre-production stage. It's also very relatable as Ashneer is an extremely popular figure with today's audience." The movie will reportedly be directed by Shraddha Kapoor's rumoured beau and the writer of Pyaar Ka Punchnama, Sonu Ke Titu Ki Sweetie, and Tu Jhoothi Main Makkaar, who will be directing and producing this film. However, there's no official confirmation on the same. Aamir is yet to announce the project.



Doglapan: The Hard Truth about Life and Start-Ups. In the past, he had himself confirmed that the movie about him is in the works. His tweet read, "Doglapan" – the autobiography continues to deliver strong numbers even after 15 months. While I have even more intense stories (stranger than fiction) for Doglapan 2.0, we are busy working on the MOVIE for now. Stay tuned."

About Aamir and Shraddha's work front

Aamir is reportedly working on a biopic on Dadasaheb Phalke and has reunited with Rajkumar Hirani for the project. Reports further suggest that shooting has already begun, putting to rest rumours about the film being on hold. Meanwhile, as per reports, Shraddha Kapoor will next be seen in Eetha, a biopic inspired by the life of Maharashtra's celebrated Tamasha performer Vithabai Narayangaonkar. After this, she will begin shooting for Naagin. As per Mid-Day, Shraddha will finish Eetha shooting in March this year, and in April, she will begin shooting for Naagin.

